राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 19 सितम्बर 2023 वर्ष–6,अंक–239 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल हुआ शांतिनिकेतन

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में स्थित शांतिनिकेतन को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल किया गया है। सऊदी अरब में रविवार को हुई वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी की मीटिंग में यह फैसला लिया गया। शांतिनिकेतन की शुरुआत रविंद्रनाथ टैगोर के पिता देवेंद्रनाथ टैगोर ने 1863 में एक आश्रम के तौर पर की थी। 1901 में रविंद्रनाथ टैगोर ने इसे प्राचीन भारत के गुरुकुल सिस्टम पर आधारित रेजिडेंशियल स्कूल और आर्ट सेंटर में बदला। टैगोर ने 1921 में यहां विश्व भारती की स्थापना की, जिसे 1951 में सेंट्रल यूनिवर्सिटी और राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया। रविंद्रनाथ टैगोर ने अपने जीवन का लंबा समय यहां बिताया था। शांतिनिकेतन के वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल होने की घोषणा होने पर विश्व भारती यूनिवर्सिटी में सजावट की गई।शांतिनिकेतन के वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल होने की घोषणा होने पर विश्व भारती यूनिवर्सिटी में सजावट की गई।

पीएम मोदी और एस जयशंकर ने खुशी जताई

शांतिनिकेतन के यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल होने पर प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खुशी जताई है। पीएम मोदी ने कहा- मुझे खुशी है कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक शांतिनिकेतन को वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल किया गया है। यह सभी भारतीयों के लिए गर्व का पल है। वहीं, एस जयशंकर ने कहा कि यह देश के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता रविंद्रनाथ टैगोर को सच्ची श्रद्धांजलि है।

विश्वभारती यूनिवर्सिटी में जश्न मनाया गया

इस घोषणा के बाद विश्वभारती यूनिवर्सिटी में जश्न मनाया जा रहा है। यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग और परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया। फैकल्टी, स्टाफ और स्टूडेंट्स ने पारंपरिक कपड़े पहने और रवींद्र-संगीत पर डांस किया।

ममता बनर्जी ने कहा कि शांतिनिकेतन का हेरिटेज लिस्ट में शामिल होना हमारे लिए खुशी और सम्मान की बात है। पिछले 12 सालों में हमारी सरकार ने शांतिनिकेतन के इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाया है। विश्व भारती यूनिवर्सिटी में फैकल्टी और स्टूडेंट्स ने ढोल के साथ जुलूस निकाला।

विशेष सत्र शुरू होने से पहले मोदी बोले

ये सेशन छोटा मगर ऐतिहासिक फैसलों वाला होगा; रोने-धोने के लिए बहुत समय है

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 18 से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। आज सत्र का पहला दिन है। पीएम नरेंद्र मोदी लोकसभा में 11 बजे स्पीच देंगे। उससे पहले पीएम ने संसद भवन पहुंचकर मीडिया से बातचीत में कहा- ये सत्र छोटा है लेकिन समय के लिहाज से बड़ा है। पीएम ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा- सभी सांसद उमंग और उत्साह के वातावरण में मिले। रोने-धोने के लिए बहुत समय होता है करते रहिए। जीवन में कुछ पल ऐसे भी होते हैं, जो उमंग से भर देते हैं। मैं इस छोटे सत्र को इसी रूप में देखता हूं। दरअसल विपक्ष लगातार सरकार के एजेंडे पर सवाल उठाता आ रहा है। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा- पीएम कुछ हैरान करने वाला लेकर आ रहे हैं। वहीं सरकार का कहना है उन्होंने एजेंडा पहले ही क्लियर कर दिया है। इस बीच पीएम मोदी वरिष्ठ मंत्रियों के साथ मीटिंग कर रहे हैं जिसमें अमित शाह और राजनाथ सिंह और अन्य सीनियर लीडर शामिल हैं। सत्र के पहले दिन 75 सालों की संसदीय यात्रा, उपलब्धियां, अनुभव, यादों और सीख पर चर्चा होगी। 19 सितंबर से स्पेशल सत्र नए संसद भवन में शुरु होगा।

मोदी ने आगे कहा कि भारत का सामर्थ्य पूरी दुनिया ने देखा। मून मिशन की सफलता.... चंद्रयान-3, हमारा तिरंगा फहरा रहा है। शिव शक्ति प्वाइंट नई प्रेरणा का केंद्र बना है। तिरंगा प्वाइंट हमें गर्व से भर रहा है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा - कल सर्वदलीय बैठक में हमने

अपना एजेंडा क्लियर कर दिया है। आज संसद के 75 सालों की चर्चा होगी।

आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा में अपने सभी सांसदों के लिए व्हिप जारी किया है। कहाञ 18 सितंबर से 22 सितंबर 2023 तक सदन में मौजूद रहें।

स्पेशल सत्र में पांच बैठकें होंगी

स्पेशल सत्र में पांच बैठकें होंगी। इस दौरान चार बिल पेश किए जाएंगे। उधर विपक्षी पार्टियों ने सरकार से सवाल-जवाब करने के लिए 9 मुद्दों की लिस्ट तैयार की है। विपक्षी गठबंधन ढ्ढ.हृ.ष्ठ.ढ्ढ. से 24 पार्टियां इस सेशन में हिस्सा लेंगी।

इससे पहले 17 सितंबर को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नई पॉर्लियामेंट बिल्डिंग में तिरंगा फहराया। वहीं सत्र शुरु होने से पहले ऑल पार्टी मीटिंग हुई। इस दौरान कई पार्टियों ने महिला आरक्षण विधेयक को पेश करने और पारित करने की जोरदार वकालत की।

19 राज्यों के कुल विधायकों में महिलाओं की संख्या 10 प्रतिशत से भी कम

कानून मंत्री रहते किरेन रिजिजू ने दिसंबर 2022 में संसद को बताया था कि मप्र समेत 19 राज्यों के कुल विधायकों में महिलाओं की संख्या 10 प्रतिशत से भी कम हैं। जबकि दिल्ली, बिहार समेत 7 राज्यों में 15त्न तक हैं। अभी लोकसभा में 78 तो राज्यसभा में 32 महिला सांसद हैं। कुल सांसदों में 11 प्रतिशत महिलाएं हैं।

सीएसडीएस के मुताबिक 2019 की जीत में भाजपा को 36 प्रतिशत वोट महिलाओं के मिले थे। जबकि कांग्रेस को 20 प्रतिशत तो बाकी दलों को 44 प्रतिशत वोट महिलाओं के मिले थे।

सुप्रीम कोर्ट से अधिकतम आरक्षण 50 प्रतिशत तय है, बावजूद इसके कई राज्य आरक्षण सीमा बढ़ा रहे हैं, जिसे बाद में कोर्ट में चुनौती मिल रही है।

आईएनडीआई गठबंधन में दरार के संकेत

माकपा ने समिति में सदस्य नहीं भेजने का निर्णय लिया

कोलकाता। भाजपा के खिलाफ बने विपक्षी आईएनडीआई गठबंधन में दरार के संकेत मिलने लगे हैं। कोलकाता में हुई माकपा की दो दिवसीय पोलित ब्यूरो की बैठक रविवार को संपन्न हुई। सूत्रों के मुताबिक बैठक में निर्णय लिया गया है कि आईएनडीआई की समिति में माकपा अपना प्रतिनिधि नहीं भेजेगी। इसकी वजह है कि उसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को भी जगह दी गई है। उल्लेखनीय है कि 14 सदस्यीय समिति में 14 नंबर जगह आईएनडीआई गठबंधन ने खाली रखी थी। इसमें माकपा प्रतिनिधि को शामिल किया जाना था। पार्टी की ओर से बताया गया था कि वह बाद में इस पर अपना उम्मीदवार बताएंगे। इसके बाद कोलकाता में दो दिवसीय पोलित ब्यूरो की बैठक में स्पष्ट हो गया है कि पार्टी अभिषेक बनर्जी के साथ एक समिति में नहीं रहेगी। केरल माकपा ने दूसरी ओर यह भी स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस के साथ किसी भी समिति का हिस्सा नहीं हो सकती। इसलिए आईएनडीआईए गठबंधन की समिति में दरार स्पष्ट है। हालांकि पार्टी ने कोलकाता की बैठक में स्पष्ट कर दिया है कि वह गठबंधन का हिस्सा रहेगी लेकिन कई बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट की है। पहली बात कि गठबंधन को और मजबूत करेंगे। भाजपा को केंद्र की सत्ता से हटाने के लिए एकजुट लड़ाई में साथ देंगे। हालांकि पार्टी ने कहा कि इस तरह की कोई भी कमेटी नहीं बनाई जानी चाहिए थी जो खुद निर्णय ले और दूसरों

14 सदस्यीय समिति में 14 नंबर जगह आईएनडीआई गठबंधन ने खाली रखी थी। इसमें माकपा प्रतिनिधि को शामिल किया जाना था।

को उसका पालन करना पड़े। दरअसल गठबंधन की बैठक के मंच पर ममता बनर्जी के साथ सीताराम येचुरी की उपस्थिति को लेकर बंगाल माकपा में तीखी नाराजगी जताई थी। बहरहाल मोहम्मद सलीम ने कहा था कि बड़ी लड़ाई के लिए एक साथ आना जरूरी है। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि हम तृणमूल का समर्थन करेंगे। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया है कि जो समिति बनाई गई है वह भी जरूरी नहीं थी। अब देखना होगा कि आईएनडीआईए का इस पर क्या कुछ रुख होता है।

27 सालों से क्यों टल रहा महिला आरक्षण बिल, हमेशा समर्थन में रही बीजेपी और कांग्रेस

नई दिल्ली। करीब 27 साल से लंबित महिला आरक्षण विधेयक का मुद्दा फिर गर्मा गया है। संसद में इसे पेश किए जाने की मांग जोर पकड़ रही है। आंकड़ों से पता चलता है कि लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या 15 प्रतिशत से भी कम है जबकि कई राज्यों की विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व 10 प्रतिशत से भी कम है। इस मुद्दे से जुड़ा अंतिम ठोस घटनाक्रम 2010 में हुआ था, जब राज्यसभा ने हंगामे के बीच विधेयक को पारित कर दिया था। मार्शल ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के कदम का विरोध करने वाले कुछ सांसदों को बाहर कर दिया था। हालांकि, विधेयक लोकसभा से पारित नहीं हो सका और अटक गया। भाजपा और कांग्रेस ने हमेशा विधेयक का समर्थन किया है लेकिन अन्य दलों के विरोध और महिला कोटा के भीतर पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की कुछ मांगें ऐसी रहीं, जिसके चलते विधेयक पर सहमति नहीं बन सकी। रविवार को कई दलों ने सोमवार से शुरू होने वाले पांच दिवसीय संसद सत्र में महिला आरक्षण विधेयक लाने और पारित करने की जोरदार वकालत की, लेकिन सरकार ने कहा कि सही समय पर उचित निर्णय लिया जाएगा। मौजूदा लोकसभा में 78 महिला सदस्य चुनी गईं, जो कुल संख्या 543 का 15 प्रतिशत से भी कम है। सरकार द्वारा पिछले दिसंबर में संसद के साथ साझा किए गए आंकड़ों

के अनुसार, राज्यसभा में भी महिलाओं का प्रतिनिधित्व लगभग 14 प्रतिशत है। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, ओडिशा, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा और पुडुचेरी सहित कई राज्य विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 10 प्रतिशत से कम है। दिसंबर 2022 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार, बिहार, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में 10-12 प्रतिशत महिला विधायक थीं। वहीं, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और झारखंड क्रमशः 14.44 प्रतिशत, 13.7 प्रतिशत और 12.35 प्रतिशत के साथ महिला विधायक संबंधी सूची में सबसे आगे हैं। पिछले कुछ हफ्तों में, बीजू जनता दल (बीजद) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सहित कई दलों ने महिला आरक्षण विधेयक को पेश करने की मांग की है, जबकि कांग्रेस ने भी रविवार को हैदराबाद में अपनी कार्य समिति की बैठक में इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि नए विधेयक में कितने प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव किया जा सकता है क्योंकि 2008 का विधेयक, जो लोकसभा में पारित नहीं होने के बाद 2010 में समाप्त हो गया था, में लोकसभा और प्रत्येक राज्य विधानसभा की सभी सीटों में से महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षित करने का प्रस्ताव था। जब विधेयक पारित कराने की आखिरी कोशिश की गई तो संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सत्ता में था।

एमपी में 24 सितंबर तक बारिश रुकी

अब राजस्थान-गुजरात में ऑरेंज अलर्ट, मानसून सीजन खत्म होने में सिर्फ 12 दिन बचे

नई दिल्ली। देश में औसतन मानसून सीजन 30 सितंबर तक रहता है। इस बार बारिश के सिर्फ 12 दिन बचे हैं। मध्य प्रदेश में अगले छह दिनों के लिए बारिश पर ब्रेक लग गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, 20-21 सितंबर को बंगाल की खाड़ी से फिर से सिस्टम एक्टिव होगा। इससे एमपी में 24 सितंबर तक फिर से तेज बारिश का दौर शुरू हो सकता है। वहीं आज के लिए मौसम विभाग ने राजस्थान और गुजरात में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बीकानेर, कोटा, गंगानगर, भीलवाड़ा, बाड़मेर, बांसवाड़ा सहित कई जिलों में आज तेज बारिश हो सकती है। गुजरात की तापी नदी में बने बांध के 15 गेट खोल दिए गए हैं। जिसके चलते आसपास के गांवों में बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय और नॉर्थ-ईस्ट राज्यों मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में अगले 24 घंटे बारिश की संभावना जताई गई है।

अन्य राज्यों में मौसम का हाल...

सोमवार को मध्य प्रदेश के रतलाम, नीमच और मंदसौर में तेज बारिश हो सकती है। बंगाल की खाड़ी से स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से फिर से प्रदेश में 24 सितंबर तक तेज बारिश का दौर शुरू होगा। बंगाल की खाड़ी से स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हुआ था। इसकी वजह से मध्यप्रदेश तरबतर हो गया। 15 से 18 सितंबर तक हुई बारिश ने कई जिलों की तस्वीर ही बदल दी। . पंजाब के विभिन्न जिलों में रविवार से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला सोमवार को भी जारी है। मौसम विभाग की तरफ से पंजाब के 5 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। आने वाले कुछ घंटों तक यहां बारिश होती रहेगी। वहीं राज्य के बरनाला, संगरूर व मानसा को छोड़ पूरे राज्य में 25 से 50 प्रतिशत तक बारिश की संभावना बनी हुई है।

नोएडा प्राधिकरण के एक-दो अफसर नहीं, पूरा तंत्र ही भ्रष्टाचार में डूबा-सुप्रीम कोर्ट

नोएडा। सुपरटेक के ट्विन टावर मामले के बाद मुआवजा वितरण फर्जीवाड़े में सुप्रीम कोर्ट ने प्राधिकरण पर फिर तल्ख टिप्पणी की। इससे प्राधिकरण के अधिकारियों की भूमिका जांच के घेरे में आ गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नोएडा प्राधिकरण के एक-दो अधिकारी नहीं, पूरा तंत्र ही भ्रष्टाचार में डूबा है। मुआवजा वितरण में हुए फर्जीवाड़े की जांच यूपी सरकार द्वारा न कराए जाने पर भी कोर्ट ने नाराजगी जताई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा कि हमारे विचार में यह प्राधिकरण के एक या दो अधिकारियों के कहने पर नहीं किया जा सकता है। प्रथम दृष्टया संपूर्ण नोएडा सेटअप इसमें शामिल होता प्रतीत हो रहा है। शीर्ष अदालत इस मामले में एक विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई कर रही है। आरोप है कि

भूमि मालिकों को गलत तरीके से करोड़ों का मुआवजा दे दिया गया। इस प्रकरण में एफआईआर भी दर्ज हुई, लेकिन नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के खिलाफ कोई जांच नहीं की गई। बेंच ने कहा कि यह मामला कोई अकेली घटना नहीं है। विशेष अनुमति याचिका में इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी गई थी। इस मामले की अगली सुनवाई 5 अक्टूबर को होगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जमानत नहीं दी- मुआवजा वितरण फर्जीवाड़ा मामले में वरिष्ठ वकील पीएन मिश्रा याचिकाकर्ता की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। वरिष्ठ वकील रवींद्र कुमार और एएजी अर्धेंदुमौली कुमार प्रतिवादियों की ओर से उपस्थित हुए। मामले में याचिकाकर्ता ने आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471, 120बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(ए) के तहत अपराध के लिए अग्रिम जमानत की मांग की। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 16 जनवरी, 2023 के आक्षेपित आदेश में सीआरपीसी की धारा 438 के तहत आवेदन को खारिज करते हुए कहा था, ''उक्त तथ्य को देखते हुए, आरोपी आवेदक ने 7,26,80,427 रुपये के बड़े मुआवजे की सिफारिश की। आरोपी आवेदक ने गलत आधार पर कहा कि मुआवजा देने की अपील हाईकोर्ट में लंबित थी। इस कोर्ट ने पाया कि आरोपी आवेदक द्वारा किए गए अपराध के लिए उसे अग्रिम जमानत देने की आवश्यकता नहीं है। आरोपी आवेदक ने कथित तौर पर नोएडा प्राधिकरण को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाया है और खुद को और उक्त भूमि मालिक को गलत लाभ पहुंचाया है।''

हाईकोर्ट ने गहन जांच का आदेश दिया था-हाईकोर्ट की पीठ की राय थी कि मामले में गहन जांच और सच्चाई का पता लगाने के लिए किसी स्वतंत्र एजेंसी को संदर्भित करना आवश्यक है, लेकिन राज्य सरकार द्वारा कोई जांच नहीं करवाने पर भी सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी ज़ाहिर की।

क्या हमारे लिए भी रात को अदालत खुलेगी? तीस्ता सीतलवाड़ केस में जेएनयू की वीसी ने एससी पर उठाया सवाल

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर शांतिश्री धुलिपड़ी पंडित ने अपने एक भाषण में सुप्रीम कोर्ट की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठा दिया। उन्होंने कहा कि शनिवार की रात को जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट ने तीस्ता सीतलवाड़ को राहत दी है, उससे यह सवाल उठता है कि क्या वह इसी तरह सभी से समान बर्ताव करेगा। गोधरा दंगों से जुड़े मामले में निर्दोष लोगों को फंसाने के लिए सबूतों से छेड़छाड़ के आरोप में तीस्ता सीतलवाड़ पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। लेकिन अदालत ने 1 जुलाई को सीतलवाड़ को अंतरिम राहत देते हुए कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। उस दिन शनिवार था। इसी मामले का जिक्र करते हुए शांतिश्री ने कहा, वामपंथियों का ईकोसिस्टम अब भी मौजूद है। क्या आप जानते हैं कि सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने शनिवार की रात को तीस्ता सीतलवाड़ को बेल देने के लिए अदालत खुलवाई थी। क्या हमारे लिए भी ऐसा होगा।% पुणे में एक मराठी पुस्तक के विमोचन के मौके पर जेएनयू की वीसी ने ये बातें कहीं। शांतिश्री का पुणे से पुराना नाता रहा है। वह यहां की सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी के राजनीति विभाग में प्रोफेसर थीं। उन्होंने कहा कि यदि आप राजनीतिक शक्ति पाना चाहते हैं तो फिर उसके लिए नैरेटिव की ताकत भी होनी चाहिए। हमें इसकी जरूरत है। जब तक यह नहीं होगी, तब तक

हम दिशाहीन जहाज पर बैठे रहेंगे।

यही नहीं इस दौरान शांतिश्री पंडित ने आरएसएस के साथ अपने जुड़ाव को भी याद किया। उन्होंने कहा कि मैं तो बाल्यकाल से ही संघ से जुड़ी रही हूं और बाल सेविका के तौर पर काम किया है। उन्होंने कहा कि आज जो भी मेरे को संस्कार मिले हैं, वह सब आरएसएस की देन हैं। पंडित ने कहा कि मुझे यह कहने में गर्व होता है कि मैं आरएसएस से जुड़ा रहा हूं। हिंदू होने पर भी मुझे गर्व है और मैं कभी कोई हिचक नहीं रखती है। इसी बात को एक बार फिर दोहराते हुए उन्होंने जब कहा, %गर्व से कहती हूं मैं हिंदू हूं% तो मौके पर जुटे लोग जय श्री राम के नारे लगाने लगे।

बीते साल फरवरी में ही शांतिश्री को जेएनयू के वीसी के तौर पर जिम्मेदारी मिली थी। अपने संबोधन में जेएनयू की वीसी ने कहा कि कुछ लोग तो ऐसे हैं, जिन्होंने यूनिवर्सिटी में राष्ट्र ध्वज और पीएम मोदी की फोटो तक लगाए जाने का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि मैंने ऐसे लोगों को जवाब दिया कि आप कैंपस में मुफ्त का खाना खाते हैं और उसका भुगतान टैक्सपेयर्स के पैसों से होता है। इसलिए आपको राष्ट्रध्वज और पीएम मोदी की फोटो के आगे झुकने में क्या दिक्कत है। उन्होंने दावा किया कि जब तक मैं जेएनयू में नहीं थी तब तक वहां प्रधानमंत्री मोदी, भारत की राष्ट्रपति की तस्वीरें और राष्ट्रीय ध्वज मौजूद नहीं थे। मुझे कई लोगों ने मना किया कि इन चीजों को कैंपस में मच लाइए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कृत्रिम गर्भाशय

यह मानव सभ्यता के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है कि वैज्ञानिकों को कृत्रिम गर्भाशय विकसित करने में सफलता मिल गई है। अमेरिका के वैज्ञानिकों ने बाकायदे वीडियो जारी करके दुनिया को दिखा दिया है कि कृत्रिम गर्भाशय का भविष्य उज्ज्वल है। इसके विकास में वैज्ञानिक वर्षों से लगे थे और अब इंसानी शिशुओं को विकसित करने के लिए इस वैज्ञानिक प्रयोग को आधिकारिक मंजूरी का इंतजार है। कृत्रिम गर्भाशय के वीडियो में एक बाल रहित, पीली चमड़ी वाला मेमना तरल पदार्थ से भरे एक बड़े आकार के सैंडविच बैग में स्वस्थ लेटा दिख रहा है। पेंसिल्वेनिया में चिल्ड्रेन हॉस्पिटल ऑफ फिलाडेल्फिया (सीएचओपी) के शोधकर्ताओं ने साल 2017 का भी एक वीडियो जारी किया है। यह चर्चा विगत पांच वर्ष से चल रही है और वैज्ञानिक पशुओं के बाद अब इंसानों में इस तकनीक का प्रयोग करना चाहते हैं। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) विनियामक विचार कर रहा है। चर्चा के लिए 19-20 सितंबर को खास बैठक होने वाली है। वैज्ञानिक सोच के साथ निर्णायक विद्वानों की सोच का मिलना जरूरी है, ताकि इस प्रयोग के इंसानों में होने पर नैतिकता या मानवता पर कोई बुरा असर नहीं पड़े। एक बड़ा सवाल यह भी है कि आखिर ऐसे कृत्रिम गर्भाशय की जरूरत क्यों पड़ रही है? सीएचओपी के भ्रूण सर्जन एलन फ्लेक, जो इस अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं, ने कहा है कि यदि यह प्रयोग उतना सफल होता है, जितना हम सोचते हैं तो अधिकांश जोखिम भरे गर्भधारण की समस्या से निपटा जा सकेगा। कमजोर नवजात शिशु जन्म के तुरंत बाद वेंटिलेटर पर पहुंचने के बजाय इसी कृत्रिम गर्भाशय में पहुंचकर नया जीवन पाएंगे, पूर्ण विकसित होकर जन्म लेंगे। यह सच है कि बड़ी संख्या में कमजोर शिशुओं की मौत हो जाती है। कई बार किसी शिशु का जीवन गर्भ के अंदर ही संकट में पड़ जाता है, उसे बचाने में चिकित्सक भी नाकाम हो जाते हैं, इस नाकामी ने ही चिकित्सकों को प्रेरित किया है कि वे कृत्रिम गर्भाशय विकसित करें, ताकि संकट में पड़े शिशुओं को नया जीवन दिया जा सके। इस कृत्रिम गर्भाशय को एक्सटेंड नाम दिया गया है और वैज्ञानिकों को लगता है कि सरकारें इस प्रयोग को मानवता के हित में मंजूरी दे देंगी। खासकर जो शिशु 28 सप्ताह के गर्भकाल से पहले ही जन्म लेते हैं, उनका जीवन बचाना बहुत आसान हो जाएगा। साल 2019 से इस प्रयोग में काफी तेजी आई है और इसके लिए फिलाडेल्फिया स्थित एक स्टार्ट-अप कंपनी, विटारा बायोमेडिकल ने 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। न्यूयॉर्क शहर के कोलंबिया यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर की बायोएथिसिस्ट और नियोनेटोलॉजिस्ट केली वर्नर अफसोस जताती हैं, 'यह निश्चित रूप से एक रोमांचक कदम है और ऐसे कार्यों में भी काफी समय लग गया है, जो कृत्रिम-गर्भ तकनीक विकसित करने से जुड़े नहीं हैं।' वाकई, जब तक कृत्रिम गर्भाशय के इंसानों में प्रयोग को मंजूरी मिलेगी और प्रयोग सफल होगा, तब तक न जाने कितने शिशुओं को मानवता गंवा देगी। साल 2020 में दुनिया भर में लगभग 13.40 करोड़ ऐसे शिशुओं का जन्म हुआ, जिनमें समय से पहले जन्म लेने के कारण जटिलताएं थीं। ध्यान देने की बात है कि साल 2019 में दुनिया में लगभग 9,00,000 मौतें इसी वजह से हुई थीं। ऐसे में, एक सुरक्षित कृत्रिम गर्भाशय मानव जाति के लिए किसी वरदान से कम नहीं होगा।

आज का राशीफल

मेष	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृषभ	पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मिथुन	सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
तुला	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृश्चिक	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
कुम्भ	व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है।

देश के बप्पा आप नहीं गणेश जी है

(लेखक राकेश अचल)

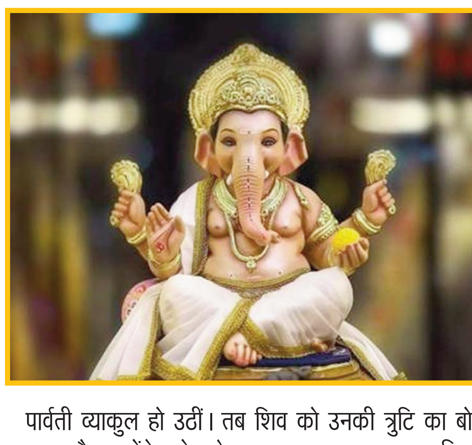

गणपति जी पधार रहे है। महाराष्ट्र वालों ने गणपति यानि गणेश जी को बप्पा क्या कहा ,अब वे पूरे देश में और दुनिया में जहाँ -जहाँ भारतीय रहते हैं वहां-वहां बप्पा के नाम से ही जाने जाते हैं। दरअसल हमारे यहां असल नामों से ज्यादा उपनाम [निक नेम] ज्यादा जल्दी ग्राह्य होते है। जैसे राहुल गांधी को भाजपा ने पप्पू कहा तो वे पूरे देश में इसी नाम से जाने -पहचाने लगे। अपने मोदी जी के साथ फेंकू शब्द ऐसा चस्पा हुआ जो लाख कोशिशों कके बावजूद हट नहीं पा रहा। गणेश जी हमारे भारतीय आस्थाओं का एक ऐसा प्रतीक हैं जो चाहे मिटटी के बनाये जाएँ चाहे प्लास्टर आफ पेरिस के या फिर गोबर के रहते गणेश ही है। उनके नाम का स्मरण करते ही जो तस्वीर हमारे जेहन में उभरती है वो स्थायी ,एकरूप वाली होती है। यानि लम्बोदर, गज-वदन मनोहर वाली। इस तस्वीर को कभी कोई मिटा नहीं पाया अर्थात ये तस्वीर अविनाशी है। इसे किसी मुगल से,किसी अंग्रेज से या किसी उदयनिधि से कोई खतरा नहीं है। गणेश जी हमारी संस्कृति के ऐसे नायक हैं जो जन-जन के प्रिय है। उनकी काया में गज और मनुष्य दोनों का समावेश है। उनका ठेका कोई नहीं ले सकता। हालांकि देश में पहली बार विघ्नहर्ता गणेश के समारोह में सियासत ने भांजी मारने की कोशिश की है। देश की संसद का विशेष सत्र गणेश चतुर्थी के दिन ही आहूत किया गया है ,तमाम विरोध के बावजूद। लेकिन मुझे नहीं लगता की गणेश जी ने इसका बुरा माना होगा। क्योंकि वे जानते हैं कि उनके समारोह में विघ्न डालने वाले देश के असली बप्पा नहीं है। असली बप्पा तो वे खुद हैं। हमारी संस्मृति में श्री गणेश ऐसे अकेले नायक हैं जो लोकनायक भी हैं। उनकी अपनी विरासत है, गणेश जी को लेकर अनेक रोचक कथाएं और किंवदंतियां उनके साथ जुड़ी है। वे सियासत में जिस तरह हमारे तमाम भाग्य विधाता लोकप्रिय हैं उसी तरह जनमानस में गणेश जी की लोकप्रियता किसी भी इंडेक्स में सबसे ऊपर है। उनके एक नहीं पूरे 108 नाम हैं ,जो उनके माता-पिता ने नहीं बल्कि उनके भक्तों ने रखे है। विसंगतियों से भरपूर गणेश जी का एक दांत टूटा है लेकिन वे कभी किसी डेंटिस्ट के पास नहीं ले जाये गए। उनके अभिभावक चाहते तो उनका टूटा दांत भी बदला जा सकता था। क्योंकि उनकी इच्छा से गणेश जी का सिर बदला गया, किन्तु वे जैसे थे, वैसे ही मनोहर थे, थे क्या हैं। उनका पेट बड़ा है लेकिन उन्होंने कभी डायटिंग पर ध्यान नहीं दिया। वे मोदक प्रिय है । लड़ाकू भी हैं और विद्वान भी। आशुलेखक भी हैं और बाल सुलभ चंचलताओं से भी भरे हुए हैं। भगवान गणेश जी के बारे में दुनिया सब जानती हैं। कम से भारतीय तो जानते ही है। गणेश जी के बारे में बताने के लिए मेरे पास भी कुछ नया नहीं है। जो कुछ है, सब पुराना है। नया है तो केवल प्रार्थना। वो भी देश में लोकतंत्र को बचाने की प्रार्थना। हम भारतीय अगर कुछ कर सकते हैं तो वो है प्रार्थना। हमारी प्रार्थनाएं कभी सुनी भी जाती हैं और कभी नहीं भी सुनी जाती। ये गणेश जी के मूड पर निर्भर करता है कि जनता की प्रार्थना को सुनें या न सुने। गणेश जी आदि विश्वगुरु हैं। और जो विश्वगुरु होता है वो कुछ भी कर सकता है। विश्वगुरुओं की हरेक हरकत काबिले बर्दाश्त मानी जाती है।

मै उन लोगों में से हों जो अक्सर मंदिर नहीं जाता। मंदिरों की भव्यता और वहां के पंडा -पुजारी तंत्र से मुझे भय लगता है, लेकिन आप यकीन कीजिये की मै पहली बार पांच घंटे कतार में लगकर लाल बाग़ के राजा के दर्शन करने गया था। मैंने देखा की आम जन मानस में श्री गणेश के प्रति अपार श्र्द्धा है। और शायद गणेश जी की इसी लोकप्रियता का आकलन कर बाल गंगाधर तिलक ने उन्हें भारतीय जन जागरण के लिए निमित्त बनाया था। महाराष्ट्र श्र्द्धा भक्ति के मामले में भी उतना ही समर्पित है जितना की दूसरे मामलों में है। दूसरे मामले कहें तो जैसे भ्र्ष्टाचार,जैसे शिष्टाचार या दुर्व्यवहार। अंतुले भी यही के थे और अजित पंवार भी यहीं के हैं। बहरहाल बात गणेश जी की हो रही है। मेरे घर भी वे हर साल अतिथि बनकर आते हैं। वे आते हैं तो उनके पीछे -पीछे सब कुछ आता है ,और जो नहीं आना चाहता वो भाग जाता है। जैसे हमारे फन्ने मियाँ हर काम की शुरुआत के लिए विस्मिल्लाह करना कहते हैं,वैसे ही हम लोग किसी भी काम को आरम्भ करने के लिए श्रीगणेश करना कहते हैं। संसद के विशेष सत्र का श्रीगणेश भी इसी परम्परा के अनुसार हो रहा है। ये नया संसद भवन हमें गुलामी के प्रतीक पुराने संसद भवन से मुक्त करने जा रहा है। अब हम पुराने संसद भवन की और पलट कर भी नहीं देखेंगे। हम तो अब पुराने भारत यानि इंडिया की तरफ भी पलट कर नहीं देखने का इंतजाम इसी नए संसद भवन में करने वाले हैं। हमने पहले भी पुराने नोटों को नए नोटों में बदला ही था भाई! हमारे ज्योतिषाचार्य बता रहे हैं कि करीब 300 साल बाद एक एक ऐसा योग बना है कि मिथुन,मकर और मेष राशि के जातकों के लिए शुभ फल की प्राप्ति होगी। भाग्योदय हो सकता है। लंबे समय से अटका और फंसा हुआ धन मिल सकता है।अब अपनी राशि तो तुला है इसलिए अपने को तो कुछ मिलने वाला है नहीं ,लेकिन जिन राशियों वालों को लाभ मिलना है उन्हें मेरी शुभकामनाएं हैं।

हमने बचपन से गणेश जी कि जो कहानी सुनी है उसके अनुसार गणेश को जन्म न देते हुए माता पार्वती ने उनके शरीर की रचना की। उस समय उनका मुख सामान्य था। माता पार्वती के स्नानागार में गणेश की रचना के बाद माता ने उनको घर की पहरेदारी करने का आदेश दिया। माता ने कहा कि जब तक वह स्नान कर रही हैं तब तक के लिये गणेश किसी को भी घर में प्रवेश न करने दे। तभी द्वार पर भगवान शंकर आए और बोले पुत्र यह मेरा घर है मुझे प्रवेश करने दो। गणेश के रोकने पर प्रभु ने गणेश का सर धड़ से अलग कर दिया। गणेश को भूमि में निर्जीव पड़ा देख माता पार्वती व्याकुल हो उठीं। तब शिव को उनकी त्रुटि का बोध हुआ और उन्होंने गणेश के धड़ पर गज का सर लगा दिया। उनको प्रथम पूज्य का वरदान मिला इसीलिए सर्वप्रथम गणेश की पूजा होती है। आज के विश्व गुरु और हमारे विश्व गुरु गणेश जी में जमीन-आसमान का अन्तर है। हमारे आज के विश्वगुरु रणछोड़दास हैं लेकिन कहते हैं कि गणेश जी ने एक छोड़ दो विवाह किये। सियासत के गणेश अक्सर शादी- विवाह से भागते है। कर भी लें तो निभाते नहीं हैं। राहुल गांधी ने तो विवाह किया ही नही। शायद वे मोदी जी के वंशवाद के आरोप से डर गए हैं ।उन्हें देशहित में शादी कर लेना चाहिए। वे यदि शादी कर लें तो भाजपा वालों द्वारा उनकी विदेश यात्राओं को लेकर जो हल्ला किया जाता है वो शांत हो सकता है। दरअसल मै ठहरा गोबर -गणेश ,इसलिए मुझसे अक्सर ये गलती हो जाती है कि में सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ खड़ा हो जाता हूँ। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए किन्तु श्रीगणेश जी मुझसे ऐसा करवा लेते हैं। गणेश जी कहते हैं कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए किसी की गोदी में बैठने से बेहतर है कि हर समय सत्ता-प्रतिष्ठान के खिलाफ खड़े रहो। फिर चाहे सत्ता किसी भी दल की हो। गणेश जी की बात करें तो उनकी खासियत है कि उन्होंने किसी भी दल को अपने नाम पर सियासत करने की इजाजत नहीं दी। उन्होंने किसी भी दल या सत्ता से अपने लिए मंदिर बनाने के लिए चन्दा इकठ्ठा करने को नहीं कहा। वे दगडू सेठ के बनाये मंदिर में आसीन हो जाते हैं और लालबाग के मजूरों के बनाये पंडाल में भी। गणेश जी पक्के समाजवादी हैं।उनकी जन्मभूमि को लेकर कहीं कोई झगड़ा नहीं है। मेरे सभी देशवासियों पर [इन्हीं में मेरे पाठक, मेरे प्रशंसक, मेरे मित्र-शत्रु, सहयोगी और मेरे लेखों के लिए मुझे प्रतिदिन एक रुपया देने वाले और न देने वाले शुभचिंतक भी शामिल हैं] गणेश जी सदा अपनी कृपा बनाये रखें यही कामना है, शुभकामना है। आप सभी को ढेरों बधाइयाँ। हाँ ध्यान रखिये कि गणेशजी को सिन्दूर और दूब चढ़ाने से विशेष फल मिलता है। इसके अतिरिक्त उन्हें गुड़ के मोदक और बूंदी के लड्डू, शामी वृक्ष के पत्ते तथा सुपारी भी प्रिय है। गणेश जी को लाल धोती तथा हरा वस्त्र चढ़ाने का भी विधान है।

सामाजिक क्रान्ति का पर्व है गणेशोत्सव

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

(19 सितम्बर गणेश चतुर्थी पर विशेष)

गणेश चतुर्थी मनाने के दौरान लोग भगवान गणेश (विघ्नेश्वर) की पूजा करते है। गणेश हिन्दू धर्म में सबसे प्रसिद्ध देवता है जो परिवार के सभी सदस्यों द्वारा पूजे जाते है। किसी भी क्षेत्र में कोई भी नया कार्य की शुरुआत से पहले गणेश जी लोगों द्वारा हमेशा पूजे जाते है। ये उत्सव खासतौर से महाराष्ट्र में मनाया जाता है। हालाँकि अब ये भारत के लगभग सभी राज्यों में मनाया जाता है। ये हिन्दुओं का महत्वपूर्ण पर्व है। लोग गणेश चतुर्थी पर पूरी भक्ति और श्रद्धा से ज्ञान और समृद्धि के भगवान की पूजा करते है।

भगवान गणेश को बुद्धि का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में किसी भी नए काम को प्रारंभ करने से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। माना जाता है कि भगवान गणेश की पूजा करने के बाद प्रारंभ होने वाला कार्य हर हाल में पूरा होगा। भगवान शिव व माता पार्वती के पुत्र गणेश को विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। गणेश शब्द का अर्थ होता है जो समस्त जीव जाति के ईश अर्थात् स्वामी हो। गणेश जी को विनायक भी कहते हैं। विनायक शब्द का अर्थ है विशिष्ट नायक। वैदिक मत में सभी कार्य के आरम्भ जिस देवता का पूजन से होता है वही विनायक है। गणेश चतुर्थी के पर्व का आध्यात्मिक एवं धार्मिक महत्त्व है। मान्यता है कि भगवान गणेश विघ्नो के नाश करने और मंगलमय वातावरण बनाने वाले हैं।

गणेश चतुर्थी का त्योहार महाराष्ट्र, गोवा, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु सहित पूरे भारत में काफी जोश के साथ मनाया जाता है। किन्तु महाराष्ट्र में विशेष रूप से गणेशोत्सव को 10 दिनों तक बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। इस त्योहार को गणेशोत्सव या विनायक चतुर्थी भी कहा जाता है। पुराणों के अनुसार इसी दिन भगवान गणेश का जन्म हुआ था। गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेशजी की पूजा की जाती है। कई प्रमुख जगहों पर भगवान गणेश की बड़ी-बड़ी प्रतिमायें स्थापित की जाती है। इन प्रतिमाओं का नो दिन तक पूजन किया जाता है। बड़ी संख्या में लोग गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने पहुंचते है। नो दिन बाद गणेश प्रतिमाओं को समुद्र, नदी, तालाब में विसर्जित किया जाता है।

गणेश चतुर्थी का त्योहार आने से दो-तीन महीने पहले ही कारीगर भगवान गणेश की मिट्टी की मूर्तियां बनाना शुरू कर देते हैं। गणेशोत्सव के दौरान बाजारों में भगवान गणेश की अलग-अलग मुद्रा में बेहद ही सुंदर मूर्तियां मिल जाती है। गणेश चतुर्थी वाले दिन लोग इन मूर्तियों को अपने घर लाते हैं। कई जगहों पर 10 दिनों तक पंडाल सजे हुए दिखाई देते हैं जहां गणेश जी की मूर्ति स्थापित होती हैं। प्रत्येक पंडाल में एक पुजारी होता है जो इस दौरान चार विधियों के साथ पूजा करते हैं। सबसे पहले मूर्ति स्थापना करने से पहले प्राणप्रतिष्ठा की जाती है। उन्हें कई तरह की मिठाईयां प्रसाद में चढ़ाई जाती हैं। गणेश जी को मोदक काफी पंसद थे। जिन्हें चावल के आटे, गुड़ और नारियल से बनाया जाता है। इस पूजा में गणपति को लड्डूओं का भोग लगाया जाता है।

इस त्योहार के साथ कई कहानियां भी जुड़ी हुई हैं जिनमें से उनके माता-पिता माता पार्वती और भगवान शिव के साथ जुड़ी कहानी सबसे ज्यादा प्रचलित है। शिवपुराण में रुद्रसंहिता के चतुर्थ खण्ड में वर्णन है कि माता पार्वती ने स्नान करने से पूर्व अपने मैल से एक बालक को उत्पन्न करके उसे अपना द्वारपाल बना दिया था। भगवान शिव ने जब भवन में प्रवेश करना चाहा तब बालक ने उन्हें रोक दिया। इस पर भगवान शंकर ने क्रोधित होकर अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। इससे पार्वती नाराज हो उठीं। भयभीत देवताओं ने देवर्षि नारद की सलाह पर जगदम्बा की स्तुति करके उन्हें शांत किया। भगवान शिवजी के निर्देश पर विष्णुजी उत्तर दिशा में सबसे पहले मिले जीव (हाथी) का सिर काटकर ले आए। मृत्युंजय रुद्र ने गज के उस मस्तक को बालक के धड़ पर रखकर उसे पुनर्जीवित कर दिया। माता पार्वती ने हर्षातिरेक से उस गजमुख बालक को अपने हृदय से लगा लिया। ब्रह्मा, विष्णु, महेश ने उस बालक को सर्वाध्यक्ष घोषित करके अग्र पूज्य होने का वरदान दिया।

महान क्रांतिकारी बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1882 मे वन्देमातरम नामक एक गीत लिखा था। जिस पर भी अंग्रेजों ने प्रतिबंध लगा कर गीत गाने वालों को जेल मे डालने का फरमान जारी कर दिया था। इन दोनों बातों से लोगो मे अंग्रेजो के प्रति बहुत नाराजगी व्याप्त हो गयी थी। लोगो मे अंग्रेजो के प्रति भय को खत्म करने और इस कानून का विरोध करने के लिए महान स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य तिलक ने गणपति उत्सव की स्थापना की और सबसे पहले पुणे के शनिवारवाड़ा मे गणपति उत्सव का आयोजन किया गया। देश की आजादी के आन्दोलन में गणेश उत्सव ने बहुत महत्वपूण भूमिका निभायी थी। 1894 मे अंग्रेजो ने भारत मे एक कानून बना दिया था जिसे धारा 144 कहते हैं जो आजादी के इतने वर्षो बाद आज भी लागू है। इस कानून मे किसी भी स्थान पर 5 से अधिक व्यक्ति इकट्ठे नहीं हो सकते थे। और ना ही समूह बनाकर कहीं प्रदर्शन कर सकते थे।

1894 से पहले लोग अपने अपने घरो मे गणपति उत्सव मनाते थे। लेकिन 1894 के बाद इसे सामूहिक तौर पर मनाने लगे। पुणे के शनिवारवडा के गणपति उत्सव मे हजारो लोगो की भीड़ उमड़ी। लोकमान्य तिलक ने अंग्रेजो को चेतावनी दी कि हम गणपति उत्सव मनाएगे अंग्रेज पुलिस उन्हे गिरफ्तार करके दिखाये। कानून के मुताबिक अंग्रेज पुलिस किसी राजनीतिक कार्यक्रम मे एकत्रित भीड़ को ही गिरफ्तार कर सकती थी। लेकिन किसी धार्मिक समारोह मे उमड़ी भीड़ को नहीं।

20 अक्तूबर 1894 से 30 अक्तूबर 1894 तक पहली बार 10 दिनो तक पुणे के शनिवारवाड़ा मे गणपति उत्सव मनाया गया। लोक मान्य तिलक वहां भाषण के लिए हर दिन किसी बड़े नेता को आमंत्रित करते। 1895 मे पुणे के शनिवारवाड़ा मे 11 गणपति स्थापित किए गए। उसके अगले साल 31 और अगले साल ये संख्या 100 को पार कर गई। फिर धीरे -धीरे महाराष्ट्र के अन्य बड़े शहरो अहमदनगर, मुंबई, नागपुर, थाणे तक गणपति उत्सव फैलता गया। गणपति उत्सव में हर वर्ष हजारो लोग एकत्रित होते और बड़े नेता उसको राष्ट्रीयता का रंग देने का कार्य करते थे। इस तरह लोगो का गणपति उत्सव के प्रति उत्साह बढ़ता गया और राष्ट्र के प्रति चेतना बढ़ती गई।

1904 में लोकमान्य तिलक ने लोगो से कहा कि गणपति उत्सव का मुख्य उद्देश्य स्वराज्य हासिल करना है। आजादी हासिल करना है और अंग्रेजो को भारत से भगाना है। आजादी के बिना गणेश उत्सव का कोई महत्व नहीं रहेगा। तब पहली बार लोगो ने लोकमान्य तिलक के इस उद्देश्य को बहुत गंभीरता से समझा। आजादी के आन्दोलन में लोकमान्य तिलक द्वारा गणेश उत्सव को लोकोत्सव बनाने के पीछे सामाजिक क्रान्ति का उद्देश्य था। लोकमान्य तिलक ने ब्राह्मणों और गैर ब्राह्मणों की दूरी समाप्त करने के लिए यह पर्व प्रारम्भ किया था जो आगे चलकर एकता की मिसाल बना।

विचार मंथन

कंप्यूटर-मोबाइल फोन के उपयोग से याददाश्त और ज्ञान में कमी

(लेखक-सनत जैन)

वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की प्रोफेसर का कहना है, कि जिस तरीके से कंप्यूटर और मोबाइल फोन के माध्यम से पढ़ाई शुरु हुई। लेक्चर, मैसेजिंग एवं कोर्स पढ़ने का जो नया डिजिटल माध्यम विकसित हुआ है। उससे बच्चों और युवाओं को बड़ा नुकसान हो रहा है। स्कूल और कॉलेज में छात्र लेक्चर सुनने के स्थान पर लैपटॉप और मोबाइल पर पढ़ते और सुनते हैं। क्लास रूम में लेक्चरार या टीचर के सामने जो पढ़ाई होती थी। उसमें पढ़ाई का तरीका होता था। वह ज्यादा प्रभावी था। जिन बच्चों को विषय समझ में नहीं आता था। वह पूरक प्रश्नों के माध्यम से जानकारी को शिक्षकों से लेते है। कंप्यूटर और मोबाइल फोन के माध्यम से अब जो पढ़ाई हो रही है। इसका सबसे ज्यादा नुकसान विद्यार्थियों को हो रहा है। उन्हें स्पेलिंग भी याद नहीं होती है।छात्रों की याददाश्त बहुत कमजोर हो गई है। अभी तक कई अध्ययन हुए है, जिसमें यह माना गया है, कागज पर लिखने और पढ़ने से याददाश्त और नॉलेज अच्छी होती है। पेन और पेंसिल का उपयोग करते हुए कागज पर लिखने से जो जानकारी प्राप्त होती है। वह वर्षों तक छात्रो की याद रहती है। दुनिया के कई देशों में अब डिजिटल माध्यम से पढ़ाई का विरोध शुरू हो गया है। परंपरागत रूप से जो क्लास पूर्व में चल रही थी, जैसी पढ़ाई पहले हो रही थी। वैसी ही पढ़ाई शुरू करने का दबाव अब कई देशों में शिक्षण संस्थानों में पड़ रहा है। शब्दों की स्पेलिंग, याददाश्त के लिए हेड राइटिंग का अभ्यास जरूरी माना जा रहा है। जो विद्यार्थी हाथ से नोटस लिखते हैं, क्लास रूम में जाकर पढ़ते हैं। टीचर और प्रोफेसर के साथ वह संवाद करते हैं। इसके सबसे बेहतर परिणाम छात्रों में देखने को मिल रहे हैं। लोग कंप्यूटर लैपटॉप और मोबाइल फोन पर पढ़ाई करते हैं। यदि उन्हें लिखने के लिए कहा जाता है, तो वह अच्छी तरह से नहीं लिख पाए शब्दों की स्पेलिंग में भारी गलतियां थी। लिखने की प्रैक्टिस खत्म हो जाने के कारण वह बहुत देर में बहुत कम शब्द लिख पाये। अमेरिका जैसे देश में 2010 के बाद से 6 वर्ष की आयु के बाद से डिजिटल माध्यम से पढ़ाई हो रही थी। अब अमेरिका के कई राज्यों में हैंडराइटिंग और प्रिंटेड किताबों के माध्यम से शिक्षा दी जा रही है। जिसके अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। डिजिटल तकनीकी के माध्यम से पढ़ने के नुकसान अब खुलकर सामने आने लगे हैं। वहीं क्लास रूम की पढ़ाई में हाथ से लिखना क्लास रूम में नोट्स तैयार करने वाले छात्र-छात्राओं का ज्ञान और उनके परीक्षा परिणाम सबसे बेहतर पाए गए हैं। हजारों साल पहले दार्शनिक सुकरात ने लिखा था। विद्यार्थियों को पढ़ाई, आइडिया और विचारों को लिखने की आदत होनी चाहिए। जिनकी यह आदत होती है, उनकी याददाश्त मजबूत होती है। उस समय उनकी इस मान्यता को खारिज किया गया था। अब सुकरात की मान्यता को दुनिया भर के देश स्वीकार करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। कई देशों में डिजिटल माध्यम एवं संचार माध्यमों से ऑनलाइन पढ़ाई का विरोध शुरू हो गया है। कई विश्वविद्यालय और स्कूलों में एक बार फिर दशकों पुराने तरीके से पढ़ाई शुरू की जा रही है।जिन देशों में समेस्टर सिस्टम से पढ़ाई और परीक्षायें हो रही हैं उसमें भी छात्र आगे पाठ पीछे सपाट की स्थिति में पहुंच रहे है। सेमेस्टर कोर्स की पढ़ाई कर परीक्षा में पास हो जाते है। इस ज्ञान का उपयोग उसके बाद नहीं होता है। जिसके कारण छात्र भूल जाते है। पहिले वार्षिक परीक्षा में जो कोर्स पहिले पढ़ाया गया है। वह भी प्रश्न पक्ष में शामिल होता था। जिसके कारण छात्र सजग होते थे। उनका ज्ञान उनके मन मस्तिक में लंबे समय तक बना रहता था।

एर्दोआन और मस्क ने तुर्किये में टेस्ला का कारखाना लगाने पर की चर्चा

इस्तांबुल । तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क से न्यूयॉर्क में मुलाकात कर उनसे तुर्किये में एक कारखाना स्थापित करने को लेकर चर्चा की। एर्दोआन संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका में हैं। तुर्किये के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान अनुसार मस्क की अंतरिक्ष अन्वेषण कंपनी स्पेसएक्स और तुर्किये के अंतरिक्ष कार्यक्रम के बीच संभावित सहयोग पर भी चर्चा की गई।बयान में कहा गया। एर्दोआन ने मस्क से कहा कि तुर्किये कृत्रिम मेधा और स्पेसएक्स की उपग्रह इंटरनेट सेवा स्टारलिंक पर सहयोग का स्वागत करेगा। वहीं मस्क ने कहा कि स्पेसएक्स तुर्किये में स्टारलिंक की पेशकश के लिए आवश्यक लाइसेंस हासिल करना चाहता है। बैठक में शामिल हुए तुर्किये के उद्योग एवं प्रौद्योगिकी मंत्री मेहमत फातिह कासिर ने कहा कि मस्क ने तुर्किये को टेस्ला निवेश के लिए सबसे महत्वपूर्ण उम्मीदवारों में से एक बताया। उन्होंने बताया कि एर्दोआन और मस्क ने तुर्किये के सशस्त्र हवाई ड्रोन कार्यक्रम पर भी चर्चा की।

एनएसई तकनीकी समस्याएं दूर करने आईआरआरए मंच करेगा शुरू

नई दिल्ली । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) तकनीकी गड़बड़ियों या रुकावटों को दूर करने के लिए एक इन्वेस्टर रिस्क रिडक्शन एक्सेस (आईआरआरए) मंच शुरू करने पर विचार कर रहा है ताकि कारोबार करने वाले (ट्रेडिंग) सदस्यों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पिछले साल दिसंबर में शेयर बाजारों और समाशोधन निगम को ट्रेडिंग सदस्यों से जुड़ीं प्रणालियों के कारण सेवाओं में व्यवधान होने पर निवेशकों की मदद के लिए एक मंच बनाने के लिए कहा था। नियामक ने उनसे मंच को एक अक्टूबर तक शुरू करने को कहा था। आईआरआरए मंच अपने निवेशकों के लिए इंटरनेट-आधारित ट्रेडिंग (आईबीटी) और वायरलेस टेकनोलॉजी के माध्यम से प्रतिभूति कारोबार (एसटीडब्ल्यूटी) का उपयोग करने वाले ट्रेडिंग सदस्यों के लिए उपलब्ध होगा। हालांकि, यह एल्गो ट्रेडिंग और संस्थागत ग्राहकों के लिए उपलब्ध नहीं होगा। एनएसई द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार आईआरआरए तीन अक्टूबर, 2023 से सभी एक्सचेंजों में ट्रेडिंग सदस्यों के लिए उपलब्ध होगा।

देश टिकाऊ प्रौद्योगिकियों में अग्रणी बनने की ओर अग्रसर: हनीवेल

शिकागो। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी हनीवेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से बढ़ रही है और देश टिकाऊ प्रौद्योगिकियों में अग्रणी बनने की ओर अग्रसर है। हनीवेल ने कहा कि भारत में अब कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जहां वास्तव में नवीकरणीय ऊर्जा का स्तर बहुत अधिक है और जीवाश्म ईंधन का स्तर बहुत कम है। मुझे लगता है कि भारत सतत प्रौद्योगिकियों में अग्रणी बनने के लिए तैयार है। नवंबर 2021 में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (सीओपी 26) के 26वें सत्र में भारत ने 2070 तक शुद्ध शून्य हासिल करने के अपने लक्ष्य की घोषणा की। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हनीवेल वर्तमान में हरित हाइड्रोजन के विद्युत अपघटन के लिए इस प्रौद्योगिकी की आपूर्ति के लिए भारत में कई निर्माताओं के साथ चर्चा कर रहा है। वास्तव में हमारे अधिकतर वैज्ञानिक और इंजीनियर भारत में हैं। मैं कह सकता हूं कि हनीवेल द्वारा विकसित करीब हर प्रौद्योगिकी पर भारतीय टीम काम करती है, कुछ रक्षा तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों को छोड़कर इस पर काम किया जा सकता है।

एप्पल आईफोन बनाने वाली फॉक्सकॉन भारत में करेगी दोगुना निवेश

नई दिल्ली ।

एप्पल का आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन टेक्नोलाजी ग्रुप भारत में निवेश की योजना बना रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ताइवान की यह कंपनी भारत में अपने निवेश को दोगुना करने और रोजगार भी बढ़ाकर दोगुना करने की योजना बना रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा चीन और अमेरिका के बढ़ती तनातनी के कारण हो रहा है। भारत में फॉक्सकॉन के रिप्रेजेंटेटिव वी ली ने एक लिंक्डइन पोस्ट में कहा कि आईफोन बनाने वाली यह कंपनी दक्षिण एशियाई देश में अपने कारोबार की साइज दोगुना करने की योजना बना रही है, साथ ही उन्होंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिन की बधाई दी। हालांकि उनकी योजना क्या होगी और कितने रुपए का निवेश और होगा, इसके बारे में अभी तक कोई डिटेल सामने नहीं आई है। ली ने पोस्ट में लिखा कि भारत में रोजगार, एफडीआई और व्यापार के आकार को दोगुना करने का लक्ष्य रखते हुए, हम अगले साल आपको एक बड़ा जन्मदिन का उपहार देने के लिए और भी अधिक मेहनत करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक ताइवानी कंपनी की निवेश योजनाओं में कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में हवाई अड्डे के करीब 300 एकड़ की साइट शामिल है। उस प्लांट में आईफोन के असेंबलिग होने की संभावना है और इससे लगभग 100,000 लोगों को नौकरियां मिलने की उम्मीद है। बता दें कि फॉक्सकान अपनी प्रमुख इकाई होन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री कंपनी के लिए भी जानी जाती है। भारत में फॉक्सकॉन का विस्तार इस बात की ओर इशारा करता है कि कैसे चीन को कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में अपनी स्थिति खोने का खतरा है।

एप्पल और अन्य अमेरिकी ब्रांड यह चाह रहीं हैं कि उनके चीनी सप्लायर भारत और वियतनाम जैसे वैकल्पिक स्थानों पर अब कारोबार शुरू करें।

जुपिटर लाइफलाइन के शेयर 34 फीसदी उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । जुपिटर लाइफलाइन हॉस्पिटल लिमिटेड के शेयर ने सोमवार को बाजार में शानदार शुरुआत की और 735 रुपए के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 34 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध हुए। बीएसई बीएसई पर शेयरों ने निर्गम मूल्य से 30.61 प्रतिशत की बढ़त के साथ 960 रुपए पर शुरुआत की। बाद में यह 39.90 प्रतिशत उछलकर 1,028.30 रुपए पर पहुंच गए। एनएसई पर उसने 32.38 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए 973 रुपए प्रति शेयर पर कारोबार शुरू किया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,714.62 करोड़ रुपए रहा। जुपिटर लाइफलाइन हॉस्पिटल लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 63.72 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 695-735 रुपए प्रति शेयर रखा गया है।

एसबीआई अब लोन लेने वालों के घर भेजेगा चॉकलेट

मुंबई । देश के प्रमुख सरकारी बैंक एसबीआई की तरफ से एक खास पहल शुरू की गई है। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने कर्जदारों, खासकर खुदरा ग्राहकों से समय पर मासिक किस्त का भुगतान सुनिश्चित करने के लिए एक अनूठी पहल शुरू की है। बैंक ने बताया कि वह मासिक किस्त के भुगतान में चूक वाले संभावित कर्जदारों को चॉकलेट भेज रहा है। बैंक ने बयान में कहा कि भुगतान में चूक की योजना बना रहे कर्जदार बैंक द्वारा याद दिलाने के बाद भी कोई जवाब नहीं देते हैं इसलिए उनके घर पर बिना उन्हें सूचित किए जाना एक अच्छा विकल्प है। गौरतलब है कि ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बीच रिटेल लोन डिस्ट्रीब्यूशन भी बढ़ रहा है। ऐसे में यह कदम बेहतर कर्ज वसूली के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। एसबीआई का खुदरा ऋण आवंटन जून, 2023 तिमाही में 16.46 फीसदी बढ़कर 12,04,279 करोड़ रुपए हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 10,34,111 करोड़ रुपए था। बैंक का कुल लोन खाता 13.9 फीसदी की वृद्धि के साथ 33,03,731 करोड़ रुपए हो गया।

ग्लोबल बाजार के नकारात्मक संकेतों से 11 दिन बाद लाल निशान पर बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स और निफ्टी में दिखाई दी गिरावट

मुंबई ।

ग्लोबल बाजार से मिले नकारात्मक रुझानों के बीच हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में 11 दिन की तेजी पर ब्रेक लगा। सोमवार को इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट देखी गई। सोमवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स (सेंसेक्स) 241 अंक टूट गया। वहीं, निफ्टी में भी 59 अंकों की गिरावट दिखाई दी। वैश्विक स्तर पर प्रमुख केंद्रीय बैंक के फैसलों से पहले बाजारों में सावधानी बरती गई, जिससे घरेलू बेंचमार्क सूचकांक 0.36 प्रतिशत तक नीचे आ गए। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में क्रमशः 0.27 प्रतिशत और 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ व्यापक बाजार भी सोमवार को विक्रेताओं की पकड़ में थे। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 241.79 अंक की गिरावट के साथ 67,596.84 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 67,803.15 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 67,532.83 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 59.05 अंक गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 20,133.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 20,195.35 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 20,115.70 तक आया। सोमवार के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 16 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। पावर ग्रिड, टाइटन,मंहिद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व सेंसेक्स के टॉप 5 गेनर्स रहे। सबसे ज्यादा मुनाफा पावरग्रिड के शेयरों को हुआ।

इसके शेयर 3.01 फीसदी तक चढ़े। वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में 14 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। एचडीएफसी बैंक, भारतीय एयरटेल, इंफोसिस, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील सेंसेक्स के टॉप 5 लूजर्स रहे। सबसे ज्यादा नुकसान एचडीएफ बैंक के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 1.98 फीसदी तक गिर गए।

क्रूड 94 डॉलर के पार, कई शहरों में पेट्रोल और डीजल महंगा

- दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमतों ने एक बार फिर आसमान छूना शुरू कर दिया है। मवार सुबह क्रूड का भाव 94 डॉलर के पार पहुंच गया। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी उछाल दिख रहा है। देश के कई शहरों में सोमवार को तेल की कीमतों में तेजी है। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार गौतम बुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 6 पैसे महंगा होकर 97.00 रुपए लीटर बिक रहा है। डीजल भी 3 पैसे चढ़ा और 90.14 रुपए लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 14 पैसे चढ़कर 96.58 रुपए लीटर हो गया तो डीजल 13 पैसे महंगा होकर 89.75 रुपए लीटर बिक रहा है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेट्रोल 14 पैसे चढ़ा और 108.45 रुपए लीटर हो गया, जबकि डीजल 8 पैसे महंगा होकर 93.83 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल कीमतों में लगातार तीसरे उछाल दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव चढ़कर 94.04 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बढ़त के साथ 90.96 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए

और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97.00 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। जयपुर में पेट्रोल 108.45 रुपए और डीजल 93.83 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

डिजायर ने 25 लाख यूनिट की बिक्री की

नईदिल्ली ।

देश का बहुचर्चित और लोकप्रिय ब्रांड मारुति सुजुकी कंपनी है। कंपनी की कई कारों को भारतीय बाजार में खूब पसंद किया जाता है। कंपनी का दावा है कि मारुति सुजुकी डिजायर ने भारत में 25 लाख यूनिट की बिक्री का आंकड़ा हासिल कर लिया है और यह देश में सबसे ज्यादा बिकने वाली सेडान बन गई है। वर्तमान में इसके कंपेरिज़न में डिजायर, हुंडई ऑरा, होंडा अमेज़, टाटा टिगोर जैसी गाड़ियां हैं, लेकिन अब तक कोई भी कार इतना सेल आंकड़े हासिल नही कर पाई है। इसी के साथ इसका मार्केट शेयर 50 प्रतिशत का है। इस मील के पत्थर पर टिप्पणी करते हुए, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी, विपणन और बिक्री, श्री शशांक श्रीवास्तव ने कहा, ़मारुति सुजुकी सभी क्षेत्रों में वैश्विक गुणवत्ता मानकों के बेंचमार्क उत्पादों की पेशकश करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो नवीनतम तकनीक, नवीन सुविधाओं से सुसज्जित हैं। हम ब्रांड डिज़ायर में अपने ग्राहकों के निरंतर विश्वास के लिए विनम्र और आभारी हैं, क्योंकि यह 25 लाख दिलों पर कब्जा करने की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाता है।समसामयिक डिज़ाइन। डिज़ायर कंपनी की खूबियों की पुष्टि है क्योंकि ग्राहक इसे अपनी पसंद की सेडान के रूप में पसंद करते हैं।

सरकार अब लैपटॉप-पीसी आयात पर रखेगी नजर!

- 1 नवंबर से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध लगाने का किया फैसला

नई दिल्ली ।

सरकार ने लैपटॉप और अन्य आईटी हार्डवेयर के आयात पर नजर रखने तथा उसके बारे में पहले से ही जानकारी हो सिल करने के लिए स्टील आयात निगरानी तंत्र की तरह ही व्यवस्था बना सकती है। सरकार ने 1 नवंबर से लैपटॉप, टैबलेट, पर्सनल कंप्यूटर, सर्वर आदि जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात पर प्रे तिबंध लगाने का फैसला किया है। इसके प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय हितधारकों के साथ इसके गुण-दोषों पर गहनता से विचार-विमर्श कर रहा है। बताया जा रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इस बारे में अंतिम निर्णय लेगा और इसे प्रभावी तरीके से लागू करने की रूपरेखा तय करने में लगा है। मंत्रालय विदेश व्यापार महानिदेशालय के साथ भी इस बारे में इस माह के अंत तक बैठक करेगा। सरकार ने पिछले महीने इस तरह की वस्तुओं का आयात लाइसेंस के जरिये करने के निर्णय के पीछे नागरिकों के सुरक्षा जोखिम को प्राथमिक वजह बताया था। इसके अलावा अगस्त के इस निर्णय के पीछे सरकार का मकसद चीन से आयात घटाना और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देना भी है। स्टील आयात निगरानी तंत्र एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जिसके तहत देश में बाहर से आने वाले सभी तरह के इस्पात उत्पादों को आयात करने से पहले पंजीकरण कराना होता है। इस व्यवस्था के तहत आयातकों को ऑनलाइन वेब पोर्टल के जरिये पंजीकरण नंबर प्राप्त करने के लिए आयात की वास्तविक तिथि से कम से कम 60 दिन पहले ऑनलाइन सिस्टम में अग्रिम में जानकारी देनी होती है। यह व्यवस्था पिछले 4 साल से लागू है। इस सिस्टम के तहत एक ऑनलाइन प्रक्रिया होगी, जहां आयातक को सीमा शुल्क विभाग को संबंधित उत्पाद के प्रवेश के बिल जमा करने से पंजीकरण कराना होगा। इलेक्ट्रॉनिक्स

उपकरणों के आयात पर बंदिश के निर्णय का उद्योग के साथ-साथ अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे व्यापारिक भागीदारों के विरोध का भी सामना करना पड़ रहा है। उद्योग के प्रतिनिधि सरकार से नई आयात नीति पर पुनर्विचार करने का आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने इसे लागू करने की समयसीमा को 1 नवंबर से आगे बढ़ाने की भी मांग की है ताकि उद्योग को इस तरह के बदलाव के लिए तैयारी करने के वास्ते पर्याप्त समय मिल सके।

डॉलर के मुकाबले 13 पैसे टूटकर 83.29 पर बंद हुआ रुपया

नई दिल्ली ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में सोमवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट आई और रुपया 13 पैसे और टूटकर 83.29 (अस्थायी) प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अन्य मुद्राओं की तुलना में डॉलर के मजबूत होने से रुपया कमजोर हुआ है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि इसके अलावा घरेलू शेयर बाजार में नकारात्मक रुख ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.09 के भाव पर खुला। कारोबार के दौरान यह 83.09 से लेकर 83.30 प्रति डॉलर के दायरे में रहने के बाद अंत में 83.29 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह पिछले बंद भाव से 13 पैसे की गिरावट को दर्शाता है। पिछले कारोबारी सत्र में शुक्रवार को रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ 83.16 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

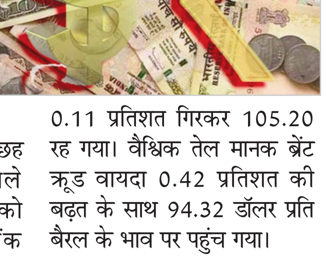

इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत गिरकर 105.20 रह गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 94.32 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर पहुंच गया।

एसयूवी नेक्सॉन का फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च

कॉम्पैक्ट एसयूवी के बाजार में टाटा का बडा धमाका

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी टाटा ने अपनी सबसे पॉपुलर एसयूवी नेक्सॉन का फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च कर दिया। कंपनी ने इस कार में बड़े बदलाव कर दिए हैं। कार के डिजाइन से लेकर फीचर्स तक सभी कुछ बदल गया है। खास बात ये है कि पहले से ही काफी सेफ मानी जाने वाली और 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग वाली नेक्सॉन को अब और भी ज्यादा सुरक्षित बना दिया गया है। कार में कंफर्ट फीचर्स के साथ ही सेफ्टी फीचर्स का भी इजाफा कर दिया गया है। नेक्सॉन के डिजाइन में भी बड़े बदलाव किए गए हैं और टाटा ने इसे कुछ कुछ कर्व जैसा डिजाइन किया है। कार काफी फ्यूचरिस्टिक डिजाइन के साथ लॉन्च की गई है। नेक्सॉन के आईसीई इंजन के साथ ही कंपनी ने नेक्सॉन ईवी का भी फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च कर दिया है। नेक्सॉन ईवी और आईसीई दोनों ही मॉडल्स में कंपनी ने कार के बंपर, लाइट्स और डीआरएल को बदल दिया है। फ्रंट लुक की बात की जाए तो कार के ब्रॉड लुक को कुछ स्लीक किया गया है। कार में नई शेप में डीआरएल और एलईडी हैडलैंप दिए गए हैं। वहीं कार के बंपर का डिजाइन भी बदल गया है। कार को बोनट भी अब नए स्टाइल का दिया गया है। वहीं रियर में कार का टेल गेट अब पहले से अलग दिखेगा। इसमें आपको स्प्रैड डीआरएल और एलईडी टेललैंप देखने को मिलेंगे। इसी के साथ नया स्पाईलर कार को स्पोर्टी लुक दे रहा है। कार में अब आपको 16 इंच के व्हील मिलेंगे। इसके साथ मल्टीपल ड्राव मोड, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, सेंट्रल लॉ किंग, ईएसपी, 6 एयरबैग, बड़ी सनरूफ, एलईडी हैडलैंप, कनेक्टेड एलईडी टेल-लैंप स्ट्रिप, रूफ रेल्स, डुअल-टोन डैशबोर्ड फिनिश, सॉफ्ट-टच डोर पैड, रियर एसी वेंट्स, रेन सेंसिंग वाइपर, ऑटोमैटिक हेडलैम्प, एबीएस, ईबीडी, चाइल्ड आइसोफिक्स सीट, 10.25 इंच का इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, लेदर रैप्ड स्टीयरिंग व्हील, एयर प्यूरीफायर, वायरलेस चार्जर, एक्सप्रेस कूलिंग फंक्शन और वन-टच अप/डाउन ड्राइवर साइड पावर विंडो मिलेंगी। टॉप वेरिएंट में आपको लेदर अपहॉले स्ट्री, सबवूफर के साथ साउंड सिस्टम, वेंटिलेटेड सीट्स जैसे कई फीचर्स मिलेंगे।

एप्पल ने भारत में उपलब्ध कराई नई आईफोन 15 श्रृंखला की घड़ियां

नई दिल्ली ।

एप्पल कंपनी ने आईफोन 15 सीरीज की घड़ियां भारत में उपलब्ध करा दी हैं।` मिली जानकारी के अनुसार वॉच सीरीज 9 और एयरपॉड्स प्रो (दूसरी पीढ़ी) के लिए प्री-ऑर्डर अब भारत में उपलब्ध हैं। ये डिवाइस 22 सितंबर से देश के बाजारों में आ जाएंगे। पहली बार, मेक इन इंडिया आईफोन 15 वैश्विक बिक्री के लिए 22 सितंबर से उपलब्ध होगा। नए उपकरण ऐप्पल इंडिया ऑनलाइन स्टोर, मुंबई और नई दिल्ली में इसके स्वयं के ब्रांडेड खुदरा स्टोर, साथ ही अन्य अधिकृत ऐप्पल खुदरा विक्रेताओं पर उपलब्ध होंगे। 6.1-इंच और 6.7-इंच डिस्प्ले साइज़ में उपलब्ध, आईफोन 15 और आईफोन 15 प्लस गुलाबी, पीले, हरे, नीले और काले रंग में 128जीबी, 256जीबी और 512जीबी स्टोरेज क्षमता में उपलब्ध हैं। इनकी कीमत क्रमशः 79,900 रुपये और 89,900 रुपये से शुरू होती है। आईफोन 15 प्रो और आईफोन 15 प्रो मैक्स, 6.1 और 6.7-इंच डिस्प्ले आकार में, काले टाइटेनियम, सफेद टाइटेनियम, नीले टाइटेनियम और प्राकृतिक टाइटेनियम फिनिश में उपलब्ध हैं।

बता दें कि आईफोन 15 प्रो की कीमत 134,900 रुपये से शुरू होती है और यह 128जीबी, 256जीबी, 512जीबी और 1टीबी स्टोरेज क्षमता में उपलब्ध है। आईफोन 15 प्रो मैक्स की कीमत 159,900 रुपये से शुरू होती है और यह 256जीबी, 512जीबी और 1टीबी स्टोरेज क्षमता में उपलब्ध है। आकर्षक ईएमआई विकल्प और ट्रेड-इन ऑफर (आपके नए आईफोन के लिए 2,000 रुपये से लेकर 67,800 रुपये तक) उपलब्ध हैं। ऐप्पल वॉच सीरीज़ 9 अब 41 मिमी और 45 मिमी आकार में स्टारलाइट, मिडनाइट, सिल्वर, (प्रोडक्ट) रेड और एक नए गुलाबी एल्यूमीनियम केस के साथ-साथ सोने, चांदी और ग्रेफाइट केस में स्टेनलेस स्टील में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है। ऐप्पल वॉच सीरीज़ 9 की कीमत 41,900 रुपये और ऐप्पल वॉच एसई की कीमत 29,900 रुपये से शुरू होती है। सभी ऐप्पल वॉच सीरीज़ 9 केस स्विमप्रूफ़ और डस्टप्रूफ़ हैं, और इनमें क्रैक-प्रतिरोधी फ्रंट क्रिस्टल हैं। ऐप्पल वॉच अल्ट्रा 2 की कीमत 89,900 रुपये है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विश्व कप से पहले शीर्ष वनडे रैंकिंग की होड़ हुई तेज

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष क्रिकेट विश्व कप की शुरुआत से पहले नंबर एक वनडे टीम बनने की होड़ अगले कुछ दिनों में तेजी आएगी। एशिया कप हालांकि समाप्त हो गया है। पाकिस्तान एशिया कप 2023 में जल्दी बाहर होने और फाइनल में श्रीलंका पर भारत की प्रचंड जीत के बावजूद नंबर 1 स्थान पर कायम है।

दक्षिण अफ्रीका से सीरीज हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने भी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम श्रृंखला में 2-0 से आगे थी, इससे पहले मेजबान टीम ने जबरदस्त वापसी की और लगातार तीन मैच जीतकर रविवार को श्रृंखला जीत ली। आईसीसी की एक रिपोट में कहा गया है कि फाइनल से पहले बंगलादेश से हार से भारत की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने की संभावना कम हुई और यहां तक कि श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ छह ओवर में मिली रिकॉर्ड-तोड़ जीत भी भारतीय टीम को शीर्ष पर नहीं पहुंचा सकी।

भारत मौजूदा समय में दूसरी रैंकिंग पर है और यदि 22 सितंबर से शुरू होने वाली सीरीज में ऑस्ट्रेलिया पर घरेलू मैदान पर जीत दर्ज कर लेता है तो वह रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने की स्थिति में आ सकता है। यदि भारत ऑस्ट्रेलिया से पहला वनडे जीत जाता है तो वह पाकिस्तान को पछाड़कर क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में नंबर एक टीम बन जाएगा। रोहित शर्मा के नेतृत्व में टीम एशिया कप में शानदार जीत दर्ज चुकी है।

मेजबान टीम अगले हफ्ते शुक्रवार तक वह मोहाली में पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया को हराकर नंबर 1 स्थान पर पहुंचने के लिए पूरी ताकत झोंक देगी। ऑस्ट्रेलियाई कैप्टन पैट कमिंस की टीम के खिलाफ भारत की आगामी तीन मैचों की श्रृंखला यह तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है कि कौन सी टीम नंबर एक रैंकिंग के साथ विश्व कप में प्रवेश करेगी। यदि भारत ऑस्ट्रेलिया से श्रृंखला हार जाता है, तो पाकिस्तान विश्व कप के लिए शीर्ष क्रम की टीम बनी रहेगी।

इसके उलट ऑस्ट्रेलिया से 3-0 की हारता है तो भारत तीसरे स्थान पर खिसक जाएगा और ऑस्ट्रेलियाई टीम शीर्ष पर पहुंच जाएगी। दक्षिण अफ्रीका से सीरीज हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया (मौजूदा रैंकिंग 3) अब विश्व कप की शुरुआत में नंबर एक रैंकिंग वाली टीम बनने की स्थिति में नहीं है। विश्व कप में नंबर एक टीम बनने के लिए उन्हें भारत के साथ सीरीज में उसका सुपड़साफ करना जरुरी होगा। हालाँकि, अगर ऑस्ट्रेलिया सीरीज के पहले दो मैज जीत जीतता है तो भी उसे कम से कम अंतिम वनडे तक रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने के लिए उसे तीसरा मैच भी भारत को हराना जरुरी होगा।

कोच राणा के साथ होने पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाती हूं : मनु भाकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अनुभवी पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर ने रविवार को संकेत दिया कि बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में अपने निजी कोच जसपाल राणा को साथ ले जाने की अनुमति नहीं मिलने से उनके प्रदर्शन पर असर पड़ा है। उन्होंने एनआरएआई से मामला सुलझाने का अनुरोध किया। महान पिस्टल निशानेबाज राणा 2 साल पहले तोक्यो ओलंपिक से पहले विवाद के बाद भाकर से अलग हो गए थे। अब वह फिर उनके साथ काम कर रहे हैं और पेरिस ओलंपिक का कोटा तथा हांगझोउ एशियाई खेलों में पदक जीतने के लक्ष्य को हासिल करने में उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) की नीति है कि अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में निजी कोच साथ नहीं जाते। भाकर ने एशियाई खेलों के लिये निशानेबाजी टीम के विदाई समारोह में कहा कि मैं उम्मीद कर रही हूं कि जल्दी मामला सुलझ जाएगा। मैंने अनुरोध किया है कि उन्हें (राणा को) मेरे साथ बड़े टूर्नामेंटों में भेजा जाए। हांगझोउ एशियाई खेल 23 सितंबर से शुरू होंगे। भाकर ने कहा कि उम्मीद है कि मामला सुलझ जाएगा। कालिकेश (एनआरएआई अध्यक्ष कालिकेश सिंहदेव) ने मेरा काफी साथ दिया है और हमेशा मदद की है।

उन्होंने कहा कि टीम के कोच भी काफी मदद करते हैं लेकिन मेरा मानना है कि मैं अपने निजी कोच के साथ ही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाती हूं। यही वजह है कि हम फिर साथ हैं। वह जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में तीन स्पर्धाओं में भाग लेने के बावजूद पदक नहीं जीत सकी थी। उन्हइंने कहा कि एशियाई खेलों में हमेशा अपेक्षायें रहती है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगी। मेरा लक्ष्य हमेशा जीतने का ही रहता है।

हॉकी रैंकिंग: भारतीय पुरूष तीसरे, महिलाएं सातवें स्थान पर

लुसाने (स्विटजरलैंड) (एजेंसी)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ की ताजा रेंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। भारत (2771) मई 2022 में शीर्ष तीन से बाहर हो गया था। भारत की रैंकिंग में सुधार पिछले महीने एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत मिलने से हुआ है। भारत ने सात में से छह मैच जीते और एक ड्रॉ रहा।

यूरो हॉकी फाइनल में नीदरलैंड से हारी इंग्लैंट टीम शीर्ष तीन से बाहर हो गई। नीदरलैंड (3113) शीर्ष पर है जबकि बेल्जियम (2989) दूसरे स्थान पर है। जर्मनी पांचवें और आस्ट्रेलिया छठे स्थान पर है जबकि उनके बाद अर्जेंटीना और स्पेन हैं।

महिला रैंकिंग में नीदरलैंड शीर्ष पर है जबकि आस्ट्रेलिया दूसरे और अर्जेंटीना तीसरे स्थान पर है। बेल्जियम चौथे और जर्मनी पांचवें स्थान पर है। भारत एक पायदान चढकर सातवें स्थान पर पहुंच गया है। स्पेन आठवें, न्यूजीलैंड नौवे और जापान दसवें स्थान पर है।

एशिया कप 2023 जीतने के बाद भारतीय फैंस ने फोड़े पटाखे, रोहित शर्मा ने कहा- विश्व कप जीतने के बाद फोड़ना

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय टीम ने लंबे इतंजार के बाद एशिया कप 2023 का खिताब अपने नाम कर लिया है। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एशिया कप 2023 जीतने के बाद खिलाड़ियों के शानदार खेल की खुलकर तारीफ की है। श्रीलंका को एशिया कप फाइनल में 50 रन पर आउट करने के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन की सराहना की है।

कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि तेज गेंदबाजों का इस तरह का प्रदर्शन उन्हें काफी संतोष देता है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज सात ओवर में 21 रन देकर छह विकेट लिये। भारत ने श्रीलंका को दस विकेट से हराकर खिताब जीता। उन्होंने कहा कि सभी कप्तान तेज गेंदबाजों पर फख्र करते हैं और मैं भी अलग नहीं हूं। हमारे पास बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं।''

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा एशिया कप 2023 फाइनल के बाद अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पटाखे फोड़ने की आवाज सुनकर ज्यादा प्रभावित नहीं हुए। 36 वर्षीय ने प्रशंसकों से भारत के 2023 विश्व कप जीतने के बाद भी ऐसा करने का अनुरोध किया, जो 5 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुरू होगा। इससे पहले एशिया कप जीतने के बाद फैंस भारतीय टीम की जीत की खुशी में पटाखे जलाते दिए। कॉन्फ्रेंस के दौरान भी पटाखों की आवाज आ रही थी। इस दौरान रोहित शर्मा ने कहा कि विश्व कप जीतने के बाद फोड़ो यार। रोहित शर्मा का ये रिस्पॉन्स काफी वायरल हो रहा है।

खुलकर की मोहम्मद सिराज की तारीफ

सिराज की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा ,'' स्लिप में खड़े होकर उसे गेंदबाजी करता देखना बहुत अच्छा लगा। उसने लगातार एक स्पैल में सात ओवर डाले और मुझे ट्रेनर से संदेश मिला कि अब उसे रोको। वह गेंदबाजी के लिये इतना लालायित था।'' उन्होंने कहा ,'' वह सात ओवर डाल चुका था जो काफी थे।'' प्लेयर आफ द टूर्नामेंट चुने गए कुलदीप यादव की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा ,'' कुलदीप ने दबाव में शानदार प्रदर्शन किया। श्रीलंका के खिलाफ सुपर फोर मैच में उसने उम्दा गेंदबाजी की और कम स्कोर के बावजूद हम वह मैच जीते।'' उन्होंने कहा ,'' पिछले दो साल में उसका आत्मविश्वास बढा है और वह किसी भी हालात से निकालकर टीम को जीत दिला रहा है।

श्रेयस अय्यर को लेकर भी दिया जवाब

विश्व कप से पहले फिटनेस को लेकर जूझ रहे श्रेयस अय्यर की वापसी को लेकर भी रोहित शर्मा ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि दाएं हाथ के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर जल्द ही टीम के लिए उपलब्ध हो सकते है। श्रेयस ने लंबे समय तक टीम के लिए बल्लेबाजी की है। श्रेयस फाइनल के लिए उपलब्ध नहीं थे क्योंकि उनके लिए कुछ निश्चित पैरामीटर रखे गए थे। संभावना है कि उनकी फिटनेस अब पूरी तरह से ठीक है।

सुरेश रैना को रोहित शर्मा पर है ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज में जीत का भरोसा

मुंबई। पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना को ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज में रोहित शर्मा पर जीत का भरोसा है। उनका मानना है कि विश्व कप से पहले भारत के खिलाफ 3 मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहेगा क्योंकि उनकी बल्लेबाजी में लचीलापन है और इस टीम के खिलाड़ियों को भारतीय परिस्थितियों की अच्छी समझ है। भारत रविवार को एशिया कप फाइनल में मेजबान श्रीलंका से भिड़ेगा। टीम इसके बाद विश्वकप में अपने अभियान को शुरू करने से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मैचों की घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में भाग लेगी। इस श्रृंखला का आगाज मोहाली में 22 सितंबर को होगा। इसके बाद इंदौर 24 सितंबर और राजकोट 27 सितंबर को मैच खेले जाएंगे। दोनों टीमें 8 अक्टूबर को चेन्नई में विश्व कप में एक-दूसरे का आमना सामना करेंगी। रैना ने कहा कि उनके पास बल्लेबाजी क्रम में दाएं और बाएं हाथ का अच्छा संयोजन है। इंदौर का मैदान बहुत छोटा है, और राजकोट की पिच सपाट है।

विश्व कप में सबसे खतरनाक टीम हो सकती है भारत, एशिया कप में श्रीलंका की हार के बाद बोले अख्तर

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ने श्रीलंका को कोलंबो में खेले गए एशिया कप फाइनल में हराकर आठवीं बार खिताब अपने नाम किया। भारत ने श्रीलंका को 50 रन पर ढेर करने के बाद 37 गेंदों में ही लक्ष्य हासिल करते हुए बड़ी खिताबी जीत अपने नाम की। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम के कौशल की प्रशंसा की और भारतीय कप्तान की उनके अनुकरणीय निर्णय लेने के कौशल की सराहना की। उन्होंने टीम इंडिया के शानदार भविष्य की भविष्यवाणी की। अख्तर ने कहा, 'रोहित शर्मा की कप्तानी में सुधार हुआ है। वह और टीम प्रबंधन महान निर्णय ले रहे हैं। मैंने भारत को इस तरह से श्रीलंका को हराने की कल्पना नहीं की थी। अब से भारत विश्व कप में सबसे खतरनाक टीम हो सकती है, लेकिन मैं किसी को भी कम नहीं आंक रहा क्योंकि उपमहाद्वीप की टीमें ताकतवर हैं।' रावलपिंडी एक्सप्रेस ने प्रभावशाली मोहम्मद सिराज के लिए तालियां बजाईं जिन्होंने छह विकेट लेकर श्रीलंकाई बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने कहा, 'अच्छा काम सिराज, आपने भारत को जीत दिलाने में मदद की। और आपने अपनी पुरस्कार राशि ग्राउंड स्टाफ को देकर बहुत अच्छा काम किया। भारत अपना आत्मविश्वास बढ़ाकर विश्व कप में जाएगा। भारत ने अंडरडॉग के रूप में शुरुआत की थी, लेकिन अब मुझे लगता है कि यह न केवल पाकिस्तान के लिए चिंता का विषय है, बल्कि कई अन्य देशों के लिए भी चिंता का विषय है। भारत ने विश्व कप में अपने आगमन की घोषणा कर दी है क्योंकि उनके पास सभी बॉक्स सही हैं।'

दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्कराम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पूरे किए 5,000 रन

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज एडेन मार्कराम ने 5,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर लिए हैं। 28 वर्षीय बल्लेबाज ने जोहान्सबर्ग में चार मैचों की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। मैच में मार्कराम अपने सबसे शानदार रूप में थे। उन्होंने 87 गेंदों में 93 रन बनाए जिसमें 9 चौके और तीन छक्के शामिल थे। उनके रन 106 से अधिक की स्ट्राइक रेट से आए।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2017 में पदार्पण के बाद से मार्कराम ने प्रोटियाज के लिए 35 टेस्ट खेले हैं। उन्होंने सबसे लंबे प्रारूप में 36.26 की औसत से 2,285 रन बनाए हैं। उन्होंने 64 पारियों में छह शतक और 10 अर्धशतक बनाए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 152 है। मार्कराम ने 55 एकदिवसीय मैच भी खेले हैं, जिसमें उन्होंने 35.42 की औसत और 96 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 1,665 रन बनाए हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज बल्लेबाज ने 52 पारियों में दो शतक और सात अर्द्धशतक बनाए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 है।

मार्कराम ने 37 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 39.37 की औसत और 149.50 की स्ट्राइक रेट से 1,063 रन बनाए हैं। 33 पारियों में उन्होंने 70 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 9 अर्द्धशतक बनाए हैं। कुल मिलाकर 127 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बल्लेबाज ने 36.59 की औसत और 79 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से 5,013 रन बनाए हैं। 149 पारियों में उन्होंने आठ शतक और 26 अर्धशतक बनाए, जिसमें 175 उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर है।

इस साल मार्कराम ने सभी प्रारूपों में शानदार निरंतरता दिखाई है। 19 अंतर्राष्ट्रीय मैचों और 21 पारियों में उन्होंने 61.00 की औसत और 101 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 1,037 रन बनाए हैं। उन्होंने इस वर्ष 175 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ तीन शतक और तीन अर्धशतक बनाए हैं। उनका वनडे फॉर्म विशेष रूप से अक्टूबर से भारत में होने वाले आईसीसी क्रिकेट विश्व कप से पहले उत्साहवर्धक है। 11 वनडे मैचों में उन्होंने 64.11 की औसत और 119.70 की एसआर से 577 रन बनाए हैं। उन्होंने 11 पारियों में दो शतक और दो अर्द्धशतक लगाए हैं, जिसमें 175 उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

आयरलैंड में कमाल दिखाने के बाद रिंकू सिंह ने टी20 लीग में जड़े 16 छक्के

-टीम इंडिया के खिलाड़ी ने अब एशियन गेम्स पर टिकाई निगाहें, जुटे तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के बल्लेबाज रिंकू सिंह इन दिनों ताबड़तोड़ प्रदर्शन करने में जुटे हुए हैं। आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए बाएं हाथ के बैटर रिंकू ने लगातार 5 गेंद पर 5 छक्के जड़े थे। इंडियन प्रीमियर लीग में कमाल का प्रदर्शन करने के बाद रिंकू को भारतीय टीम में जगह मिली और उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भी रन कूटे। दूसरे मैच में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी मिला। टीम इंडिया ने सीरीज पर 2-0 से कब्जा भी किया। सीरीज का तीसरा मैच बारिश के चलते रद्द हो गया था। इसके बाद रिंकू ने यूपी टी20 लीग में कमाल का प्रदर्शन किया और टीम के फाइनल में जगह दिलाई। अब 25 साल के बैटर रिंकू सिंह इन दिनों एशियन गेम्स की तैयारी में लगे हुए हैं। रिंकू सिंह की टीम मेरठ मावरिक्स हालांकि यूपी टी20 लीग के फाइनल में काशी रुद्रास से हार गई, लेकिन उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। रिंकू ने टी20 लीग में 16 छक्के जड़े और 234 रन भी बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी बेहतरीन रहा। उम्र के रिंकू के ओवरऑल टी20 के रिकॉर्ड को देखें, तो उन्होंने अब तक 91 मैच की 82 पारियों में 31 की औसत से 1806 रन बनाए हैं। 10 अर्धशतक लगाये है। 79 रन बेस्ट प्रदर्शन है। स्ट्राइक रेट 142 का है। उन्होंने 83 छक्के भी जड़े हैं। एशियन गेम्स में तीसरी बार क्रिकेट को शामिल किया गया है, लेकिन भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमें पहली बार गेम्स में उतर रही हैं। मेंस कैटेगरी की बात करें, तो कुल 14 टीमें भाग ले रही हैं। टीम इंडिया सीधे क्वार्टर फाइनल में उतरेगी। ऋतुराज गायकवाड़ को एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। यानी गोल्ड मेडल जीतने के लिए भारतीय टीम को 3 मुकाबले जीतने होंगे। एशियन गेम्स के इतिहास की बात करें, तो इससे पहले 2010 और 2014 में भी क्रिकेट को शामिल किया गया था। मेंस कैटेगरी में 2010 में बांग्लादेश की टीम गोल्ड मेडल जीतने में सफल रही। अफगानिस्तान को सिल्वर तो पाकिस्तान को ब्रॉन्ज मेडल मिला। 2014 में श्रीलंका की टीम गोल्ड मेडल जीतने में सफल रही। अफगानिस्तान को सिल्वर तो बांग्लादेश की टीम ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल हुई। इस बार टीम इंडिया ऋतुराज गायकवाड़ की अगुआई में एशियन गेम्स में मेडल के लिए दम लगाएगी।

दाहिने कंधे पर चोट लगने से नसीम शाह नहीं खेलेंगे वनडे विश्व कप

दुबई। पाकिस्तान के स्टार तेज गेंदबाज नसीम शाह के के कंधे में चोट लगने से वह विश्व कप में नहीं खेल पाएंगे। भारत में होने वाले आईसीसी पुरुष एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप में नहीं खेलने से पाकिस्तान को करारा झटका लगा है। जानकारी के अनुसार सुपर 4 चरण में भारत के खिलाफ मुकाबले में नसीम के दाहिने कंधे पर चोट लग गई थी। चोट से उभरने के लिए उन्हें एक साल तक लग सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नसीम दुबई में एक्स-रे स्कैन के लिए गए थे और पहली रिपोर्ट से पता चलता है कि चोट पहले से अधिक गंभीर है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) किसी प्रतिस्थापन की तलाश कर सकता है, लेकिन अभी तक उनके भारत दौरे पर जाने वाली पाकिस्तानी टीम का हिस्सा बनने की संभावना नहीं है। पीसीबी (पीसीबी) ने अभी तक नसीम की चोट पर आधिकारिक तौर पर अपडेट जारी नहीं किया है, लेकिन जैसे ही सेकेंडरी रिपोर्ट उपलब्ध होगी, वह अपडेट जारी कर सकता है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, नसीम को लंबी छुट्टी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे वह ऑस्ट्रेलिया दौरे और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से भी बाहर हो जाएंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो जाने के बाद एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने आगामी मुकाबले के लिए रिजर्व डे जोड़ा था जिसमें नसीम जख्मी हो गए। श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में उनकी जगह जमान खान ने ली। यह मैच पाकिस्तान ने 2 विकेट से गंवा दिया था और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। नसीम के अलावा मोहम्मद हसनैन भी जख्मी हैं।

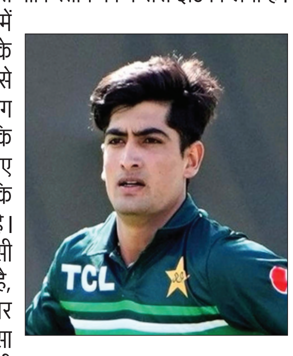

दीक्षा डागर स्विस लेडीज ओपन में संयुक्त 7वें स्थान पर

होल्जहौसर्न (स्विटजरलैंड)। भारत की दीक्षा डागर ने लेडीज यूरोपीय टूर गोल्फ में अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए वी पी बैंक स्विस लेडीज ओपन में संयुक्त सातवां स्थान हासिल किया। दीक्षा ने तीसरे और आखिरी दौर में चार अंडर 68 स्कोर किया। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में अमनदीप द्राल संयुक्त 43वें स्थान पर रही जबकि वाणी कपूर कट में प्रवेश नहीं कर सकी। लेडीज यूरोपीय टूर में अब छोटा ब्रेक होगा जिसके बाद फ्रांस में लेडीज लाकोस्टे ओपन खेला जाएगा। इस साल पांच और टूर्नामेंट बाकी हे जिनमें हीरो महिला इंडियन ओपन अगले महीने खेला जाएगा।

विश्व कप जीत सकता है भारत, लेकिन प्रबल दावेदार का ठप्पा लगाना सही नहीं : कपिल देव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि भारतीय टीम अपनी धरती पर वनडे विश्व कप जीत सकती है लेकिन उन्होंने कहा कि प्रबल दावेदार का ठप्पा लगाना सही नहीं है क्योंकि बहुत कुछ तकदीर पर निर्भर करेगा।

कपिल ने कहा, 'अगर हम शीर्ष चार में आ गए तो यह महत्वपूर्ण होगा। इसके बाद से किस्मत की बात है।' उन्होंने जम्मू तवी गोल्फ कोर्स पर चार से सात अक्टूबर तक होने वाले जे एंड के ओपन के तीसरे सत्र के लांच से इतर कहा, 'हम अभी नहीं कह सकते कि हम प्रबल दावेदार है। हमारी टीम अच्छी है। दिल कुछ कहता है और दिमाग कहता है कि अभी काफी मेहनत करनी होगी। मैं अपनी टीम को जानता हूं लेकिन दूसरी टीमों को नहीं जानता। ऐसे में जवाब देना गलत होगा।' उन्होंने कहा, 'जहां तक भारत का सवाल है तो यह टीम जीत सकती है। उन्हें जुनून के साथ खेलना चाहिए।' भारत ने श्रीलंका को एशिया कप फाइनल में दस विकेट से हराकर खिताब जीता। उन्होंने कहा, 'सिराज ने शानदार गेंदबाजी की। मुझे खुशी है कि अब हर देश में हमारे तेज गेंदबाज दस विकेट ले रहे हैं। यह सोने पे सुहागा है। एक समय पर हम स्पिनरों पर निर्भर थे लेकिन अब ऐसा नहीं है। यही इस टीम की ताकत है।'

कपिल ने यह भी कहा कि बतौर प्रशंसक वह करीबी मुकाबला देखना चाहते हैं, एशिया कप की तरह एकतरफा मुकाबले नहीं। उन्होंने कहा, 'एक क्रिकेटर के तौर पर मुझे करीबी मुकाबले देखना पसंद है। लेकिन बतौर खिलाड़ी मैं चाहूंगा कि उन्हें 30 रन पर आउट करके मैच जीत लूं। एक दर्शक के तौर पर मैं करीबी मुकाबले देखना चाहूंगा।'

कपिल ने सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की तारीफ करते हुए कहा, 'यह ऐसा युवा खिलाड़ी है जो भारतीय क्रिकेट का भविष्य है। भारत में इस तरह का खिलाड़ी होना गर्व की बात है।' शिखर धवन, रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल जैसे सीनियर खिलाड़ी विश्व कप टीम में जगह नहीं बना सके। कपिल ने हालांकि चयनकर्ताओं का बचाव करते हुए कहा, 'जो टीम में जगह नहीं बना सके, उनको लेकर बात हो रही है। सभी की अपनी राय है। चयनकर्ता हमसे बेहतर जानते हें क्योंकि वे आपस में सलाह मशविरा करके सर्वश्रेष्ठ टीम चुनते हैं। उन्हें उनका काम करने दीजिए। ऊंगली उठाना आसान है।'

भारत की अंडर17 महिला फुटबॉल टीम थाईलैंड पहुंची

बुरिराम। अपने पहले दौर के ग्रुप में शीर्ष पर रहने के बाद भारत की अंडर17 महिला फुटबॉल टीम एएफसी अंडर17 महिला एशियाई कप क्वालीफिकेशन राउंड 2 के लिए उच्च उम्मीदों के साथ थाईलैंड पहुंच गई। खिलाड़ी थाईलैंड में कदम रखने के लिए पूरी तरह से उत्साहित हैं और योग्यता की लड़ाई फिर से शुरू होने का इंतजार कर रही हैं, जिस बाधा को उन्होंने पिछले दौर में विशिष्टता के साथ पार किया था। अप्रैल में भारतीय महिला यू17 टीम ने अपने राउंड 1 ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और पहली बार एएफसी यू17 महिला एशियाई कप क्वालीफायर के राउंड 2 में जगह बनाई। किर्गिज गणराज्य के बिश्केक में खेले गए तीन-टीम समूह में टीम इंडिया ने मेजबान किर्गिज गणराज्य और म्यांमार के खिलाफ अपने दोनों मैच जीते और छह अंक हासिल किए।

बच्चों की काबिलियत पर ध्यान दें अभिभावक

ब च्चों को घर पर छोड़कर आए एक दंपति ने सामने वालों के घर पहुंचते ही कहा कि बच्चे पढ़ने में बिजी हैं, इसलिए खाने पर हम दोनों ही आ गए। बातों ही बातों में उन वैज्ञानिक पति और लेक्चरर पत्नी ने यह भी कह दिया कि आप लोगों ने तो मामूली सरकारी नौकरी की है इसलिए आप लोगों की बात अलग है। लेकिन हम आज जिस मुकाम पर है, उस हिसाब से हमने अपने बच्चों के लिए भी कुछ बेंच मार्क्स तय किए हैं। ताकि वह हमसे भी ज्यादा ऊंचे ओहदे पर पहुंचे!

केस 2

'अरे साब! क्या बात कर रहे हैं, आप तहसीलदार हैं तो रोहित डिप्टी कलेक्टर बनेगा ही। नाक कटवाएगा क्या पिता की' ? उधर, तहसीलदार पिता, अपने चापलूस मित्र की बात पर केवल खिसियानी हंसी हंस रहे थे, वे ये नहीं कह पाए कि उनका बेटा अपनी काबिलियत, अपनी रुचि के हिसाब से जो बनना चाहेगा, वही बनेगा। लेकिन बेटा सहम गया। उसे तो सिर्फ उसके आगे आने वाले समय की चिंता थी।

केस 3

'क्यों रोहन, तुम्हारे पापा शहर के इतने बड़े डॉक्टर हैं, और तुम्हें जरा भी नहीं लगता कि अपने पापा की तरह बनो? उनकी तरह क्या, तुम्हें उनसे चार कदम आगे निकलकर दिखाना होगा न' ? तुम्हारे दादा होम्योपैथी के डॉक्टर थे और तुम्हारे पापा ने

माता-पिता बच्चे के जन्म के साथ ही उसके बहुत बड़े अधिकारी बनने के ख्वाब पाल लेते हैं। कई बार तो ये अभिभावक बच्चों की काबिलियत पर भी ध्यान नहीं देते। बड़े अधिकारी का बेटा भी पढ़ाई में बहुत अच्छा होगा, ये जरूरी नहीं है। ऐसे में उस बच्चे से तमाम उम्मीदें बांधना बच्चे के ऊपर कितना बड़ा मानसिक बोझ है!

मेडिसिन में नाम कमाया। जरा मन लगाकर पीएमटी की तैयारी करो। रोहन, जिसे मैथ्स, फिजिक्स जैसे विषयों में दिलचस्पी है, पिता के प्रभाव के आगे कुछ बोल नहीं पा रहा था। हां, मगर चिंता में जरूर पड़ गया कि यदि मैं डॉक्टर नहीं बन पाया तो.? ये किस्सा केवल रोहित या रोहन का नहीं है, बल्कि हमारे समाज के अधिसंख्य बच्चों का है, जिनके माता-पिता बच्चे के जन्म के साथ ही उसके बहुत बड़े अधिकारी बनने के ख्वाब पाल लेते हैं। कई बार

अधिकारी का बेटा भी पढ़ाई में बहुत अच्छा होगा, ये जरूरी नहीं है। ऐसे में उस बच्चे से तमाम उम्मीदें बांधना बच्चे के ऊपर कितना बड़ा मानसिक बोझ है! बच्चा ऐसी इच्छाएं सुनकर ही दहशत में आ जाता है। पढ़ाई के बोझ के साथ-साथ मां-बाप का नाम रोशन करने का बोझ उठाए, न ठीक से पढ़ाई कर पाता है, न ही दिमागी सुकून मिल पाता है उसे। पढ़ाई के समय ये तनाव बच्चों के ऊपर जबर्दस्त तरीके से सवार होता है। इस तनाव के शिकार बच्चे का

तो? जैसी चिंता पर ज्यादा केंद्रित रहता है। नतीजतन, न पढ़ाई हो पाती है, न आराम और न ही अगला पेपर अच्छा हो पाता है।

रिसर्च में भी खुलासा

अमेरिका के मियामी विश्वविद्यालय की एक रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 1970 के बाद से बच्चों के प्रति जिस प्रकार अभिभावकों की अपेक्षाएं बढ़ रही हैं, उनसे बच्चों में तनाव का आंकड़ा आश्चर्यजनक रूप से बढ़ा है। प्रो.जेफरी पी.बोस्को का कहना है कि यह ग्राफ वर्ष 70 से लेकर 2000 के बीच में करीब 17 प्रतिशत तक बढ़ा, जो

रहा है। अभिभावकों में बच्चों को पूरे समय पढ़ाते/पढ़ते देखने की अजीबोगरीब रुचि पैदा हो गई है। अधिकांश अभिभावक स्कूल में भी ये शिकायत करते मिल जाएंगे-क्या करें पढ़ता ही नहीं है, टीवी देखता है। अब यदि बच्चे को हर वक्त पढ़ाई में ही जुटा देखने की चाहत अभिभावक की होगी तो उन्हें क्या लगता है, बच्चे सचमुच पढ़ रहे होंगे? ना, बिल्कुल नहीं। पढ़ाई में मन लगने का भी एक निश्चित

है, पढ़िए, जैसे ही मन उचाट हो, किताब बंद कर दीजिए क्योंकि बिना मन के पढ़ाई होगी ही नहीं। मजे की बात, मां-बाप का, बच्चे को खुद से बेहतर बनाने का दवाब अधिकांशत: लड़कों पर ही होता है। इस दवाब की शिकार फिलहाल लड़कियां नहीं हैं। इसके पीछे वही सोच काम कर रही होती है कि लड़की को तो दूसरे के घर जाना है, सो उनका नाम तो लड़के को ही रोशन करना है, तब पूरा ध्यान लड़के पर ही लगाया जाए। दसवीं का एक बच्चा, जो शाम की क्लास में आता है, उसे मैथ्स नहीं पढ़ना। सबसे कम नंबर उसके मैथ्स में ही आते हैं जबकि दूसरे

माता-पिता उसे बहुत बड़ा इंजीनियर बनाना चाहते हैं और बच्चा अभी से तनाव में है कि यदि उसे किसी भी प्रकार से मैथ्स दिला दी गई, तो वह कैसे पढ़ेगा?

बच्चों की मानसिकता समझें

पिछले दिनों अखबारों में कई समाचार आए बच्चों द्वारा आत्महत्या किए जाने के। सामान्य तौर पर हमारी प्रतिक्रिया होती है-'अरे! पेपर अच्छा नहीं हुआ था तो उसमें मरने की क्या बात? लेकिन ये हम या आप कह रहे होते हैं न? उस बच्चे पर इस इम्तिहान को लेकर, संबंधित विषय को लेकर घर वालों का कितना दबाव रहा होगा, ये उसकी आत्महत्या से हम समझ सकते हैं। मरना बहुत आसान नहीं होता। एक बच्ची ने आत्महत्या के अपने नोट में लिखा- मेरी अंग्रेजी बहुत कमजोर है। मैं इस विषय में पास नहीं हो पाऊंगी। सोचिए उस बच्ची पर अंग्रेजी का कैसा दवाब रहा होगा? तो माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों की रुचियों का ध्यान रखें और उन्हें अपनी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ने को न केवल प्रोत्साहित करें, बल्कि मौके भी तलाशें। आज चुनिंदा विषय नहीं रह गए हैं पढ़ने को, न ही चुनिंदा राहें। हर विषय के बच्चों के लिए काम के पर्याप्त मौके हैं। बच्चों को उनके अपने सपने पूरे करने दें, उनमें अपना सपना साकार न करें। हमारी ये सोच शायद उन्हें तनावमुक्त कर सकें।

बच्चों के लिए स्कूल में स्पोर्ट्स खेलना जरूरी होता है क्योंकि यह कई तरह से उन्हें फायदा पहुंचाता है।

बच्चे के स्कूल में जरूर होनी चाहिए स्पोर्ट्स फैसलिटी

सिर्फ काम और खेलकूद नहीं, ऐसे तो बच्चा सुस्त बन जाएगा। स्पोर्ट्स से दूर रहने से इंसान फिट नहीं रह पाता है और स्ट्रेस में रहता है और बोरिंग भी बन जाता है। स्पोर्ट्स सिर्फ एंटरटेनमेंट या मजे के लिए ही नहीं होते हैं बल्कि इससे मेंटल और फिजिकल हेल्थ को भी बहुत फायदे मिलते हैं। इसलिए मेंटली और फिजिकली फिट रहने के लिए आपको स्पोर्ट्स को अपनी आदत में शुमार करना चाहिए। अगर आप भी पेरेंट हैं, तो अपने बच्चे को स्पोर्ट्स में हिस्सा लेने के लिए कहें और स्कूल में भी स्पोट्स पर जोर देने की बात करें।

लीडरशिप स्किल्स आते हैं

स्पोर्ट्स से बच्चे में अपनी टीम का नेतृत्व करने का गुण विकसित होता है। इस प्रक्रिया के दौरान बच्चे में निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। लीडर बनकर बच्चा अपनी टीम के साथ कोऑर्डिनेट करना और सलाह देना और लेना सीखता है। बच्चे को अपनी कमजोरी और ताकत का भी पता चलता है जिससे वो समय के साथ बेहतर होता जाता है।

फिजिकल ग्रोथ होती है

फिजिकल एक्टिविटी और एक्सरसाइज से बच्चे की मांसपेशियों और हड्डियों के विकास को बढ़ावा मिलता है। स्पोर्ट्स खेलने वाले बच्चे अच्छी डाइट भी लेते हैं जिससे उनकी सेहत और एनर्जी लेवल अच्छा रहता है। हेल्दी आदतों से कोशिकाओं और हार्मोंस का लेवल भी संतुलित रहता है। अगर बच्चा फिजिकली फिट होगा, तो वो अपनी पढ़ाई पर भी अच्छे से ध्यान दे पाएगा।

अच्छी नींद आती है

खेलकूद के बाद बॉडी धीरे-धीरे नींद लाने वाले हार्मोंस को ट्रिगर करता है। ये हार्मोंस शरीर को आराम देते हैं जिससे अच्छी नींद आती है। अगर बच्चा ठीक से सोएगा नहीं, तो उसे स्कूल में सुस्ती आएगी और वो पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाएगा। इसलिए बच्चों के लिए स्पोर्ट्स जरूरी हैं।

आत्मविश्वास बढ़ता है

गेम में बच्चे को अपनी ताकत और क्षमता के बारे में पता चलता है। इससे बच्चा खुद को दूसरों से बेहतर और अलग मानता है। अपनी ताकत को जानकर बच्चे का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। जब टूर्नामेंट में बच्चे की तारीफ की जाती है, तो इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ता है और वो नई चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर पाता है।

टीम में रह कर काम करना

स्पोर्ट्स से बच्चा अपने साथियों के साथ को-ऑर्डिनेट करना सीखता है। एक टीम में अलग-अलग जेंडर, कास्ट, रंग और धर्म के लोग मिलते हैं। यहां बच्चा हर किसी के साथ काम करना और उसका आदर करना सीखता है। उसे कुछ क्रिएटिव और स्मार्ट स्किल्स भी सीखने को मिलते हैं। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए स्पोर्ट्स कितना जरूरी है। इसका बच्चों को कई तरह से फायदा मिलता है जैसे कि वो फिजिकली फिट बनते हैं और कई तरह के स्किल्स भी सीखते हैं। अगर स्कूल में स्पोर्ट्स नहीं है तो आप स्कूल के स्टाफ से बात करें या आप बच्चे को स्कूल के बाहर किसी एकेडमी में भी कोई स्पोर्ट्स ज्वॉइन करवा सकते हैं।

अपनी स्किन प्रॉब्लम के हिसाब से बेसन में मिलाकर लगाएं ये चीजें

मौसम भले कोई भी हो स्किन से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। मगर अक्सर लड़कियां स्किन प्रॉब्लम्स के हिसाब से सही चीजें नहीं चुनती है। इसके कारण समस्या वहीं की वहीं रहती है। वैसे तो स्किन संबंधी समस्याओं से आराम पाने के लिए बेसन का इस्तेमाल करना बेस्ट माना गया है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे बताते हैं कि जिसे आप बेसन में मिलाकर लगाने से फायदा मिलेगा। जानते हैं उन होममेड फेसपैक के बारे में...

ऑयली स्किन के लिए बेसन और टमाटर फेसपैक

ऑयली स्किन टाइप वाली लड़कियों को बेसन और टमाटर का फेसपैक लगाना चाहिए। यह चेहरे से एक्स्ट्रा ऑयल साफ करके त्वचा की रंगत निखारने में मदद करता है। इससे चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, सनटैन की समस्या दूर होने में मदद मिलती है।

ऐसे करें इस्तेमाल

इसके लिए 1 टमाटर को ब्लेंड करके पेस्ट बनाएं। फिर इसमें जरूरत अनुसार बेसन, कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट या सूखने के बाद फेसपैक को हल्के हाथों से स्क्रब करते हुए उतारे। बाद में ताजे पानी से मुंह धो लें।

दाग-धब्बे हटाने के लिए बेसन और हल्दी फेसपैक

अगर आप चेहरे पर पड़े दाग-धब्बे, कील-मुंहासे आदि से परेशान है तो बेसन में हल्दी मिलाकर लगाएं। इससे स्किन संबंधी समस्याएं दूर होकर चेहरा साफ, निखरा, मुलायम व जवां नजर आएगा। साथ ही त्वचा की रंगत निखरेगी।

ऐसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन, चुटकीभर हल्दी और जरूरत अनुसार गुलाब जल या पानी मिलाएं। अब इसे चेहरे व गर्दन पर 10-15 मिनट तक लगाएं। बाद में इसे पानी से साफ करके मॉश्चराइजर लगा लें।

झुर्रियां दूर करने के लिए बेसन और दही फेसपैक

झुर्रियों को कम करने के लिए दही और बेसन का फेसपैक बेस्ट माना जाता है। यह ढीली पड़ी स्किन को टाइट करने उसे ग्लोइंग बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही यह त्वचा को नमी देकर बुढ़ापे के लक्षण करता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन और जरूरत अनुसार दही मिलाएं। इसे हल्के हाथों से चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20-30 मिनट के बाद चेहरा धो लें।

ग्लोइंग स्किन के लिए बेसन और शहद फेसपैक

सनटैन से खराब हुई स्किन पर निखार वापस लाने के लिए आप बेसन और शहद का फेसपैक लगा सकती है। बेसन स्क्रब की तरह काम करके डेड स्किन सेल्स को साफ करता है। वहीं शहद क्लींजिंग एजेंट की तरह काम करके ग्लो लाने में मजज करता है। इसके साथ ही त्वचा में होने वाली जलन, खुजली व रूखापन दूर होगा।

ऐसे करें इस्तेमाल

इसके लिए एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन और जरूरत अनुसार शहद मिलाएं। इसे चेहरे व गर्दन पर स्क्रब करते हुए लगाएं। 15-20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में इसे पानी से साफ कर लें।

मानसून में बनाएं कॉर्न चाट

मानसून में गर्मा-गर्म भुट्टा तो आपने बहुत खाएं होंगे। मगर आज हम आपके लिए खास स्वीट कॉर्न चाय रेसिपी लेकर आए है। इसे आप अपनी मनपसंद सब्जियों से बना सकती है। वहीं स्वीट कॉर्न पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सडीटेंस गुणों से भरपूर होती है। ऐसे में इसका सेवन करने से टेस्ट के साथ सेहत भी बरकरार रहेगी। जानते हैं इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

फ्रोजन कॉर्न (उबले)- 900 ग्राम, मिर्च पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच, भुना जीरा पाउडर - 2 छोटे चम्मच
नमक- आवश्यकता अनुसार, शिमला मिर्च - 2
नींबू का रस -2 बड़े चम्मच, धनिया - 2 बड़े चम्मच
काली मिर्च - 1/2 छोटा चम्मच
काला नमक - 1 छोटा चम्मच, टमाटर - 1 कप
प्याज - 1, तेल- आवश्यकता अनुसार

विधि

- एक बाउल में सभी मसाले मिलाएं।
- अलग बाउल में सब्जियां काट कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके मीडियम आंच पर कॉर्न फ्राई करें।
- अब कॉर्न को सब्जियों में मिलाएं।
- इसमें मसाला, नींबू का रस मिलाएं।
- चाट को सर्विंग प्लेट में निकाल कर धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

बच्चों के लिए बनाएं क्रिस्पी चीजी रैप

चीज से आपने बर्गर, पिज्जा तो बहुत खाया होगा। वहीं बच्चों को तो चीज बेहद ही पसंद होता है। चीज प्रोटीन से भरपूर होता है। यह खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत को दुरुस्त रखने में मदद करता है। ऐसे में हम आपके लिए खास चीजी रैप की रेसिपी लेकर आए है।

सामग्री

उबले मैश्ड आलू- 1, 1/2, प्याज- 1 (बारीक कटा)
शिमला मिर्च- 1 (बारीक कटी), चिली फ्लेक्स- 1 छोटा चम्मच,
ऑरिगेनो- 1/2 छोटा चम्मच, ब्रेड स्लाइस- 4,
चीज- 2 बड़े चम्मच (कद्दूकस किया)
नमक- स्वाद अनुसार, तेल- आवश्यकता अनुसार

विधि

- एक बाउल में आलू, प्याज, शिमला मिर्च, चिली फ्लेक्स, ऑरिगेनो, नमक और चीज डालकर मिलाएं।
- ब्रेड या रोटी को हल्के से दबाकर स्टफिंग भरें।
- ब्रेड पर तेल लगाकर फोल्ड करें।
- पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रैंप तल लें।
- इसे सर्विंग प्लेट में निकाल कर टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

हैल्थ कॉन्शियस है तो खाएं गुजराती खांडवी

बेसन खांडवी गुजरात की फेमस डिशेज में से एक है। यह खाने में टेस्टी और हल्की होती है। इसे खाने से पेट हैल्दी रहता है। मगर अक्सर लोग इसे बनाने में कंफूजर रहते हैं। आप इसे विकेंड में बनाकर खा सकते हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए खास गुजराती खांडवी की रेसिपी लेकर आए है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

बेसन- 1 कप
अदरक-हरी मिर्च पेस्ट - 1 बड़ा चम्मच
हल्दी पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच
छाछ- 3 कप
हींग- चुटकीभर
राई- 1/2 छोटा चम्मच
नींबू का रस - 1 बड़ा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- आवश्यकता अनुसार
नारियल- 2 बड़े चम्मच (कद्दूकस किया)
धनिया- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- एक बाउल में बेसन, नमक, हल्दी, नींबू का रस, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट और छाछ मिलाएं।
- इसे पैन में डालकर लगातार चलाते हुए पकाएं।
- मिश्रण को गाढ़ा घोल होने तक पकाएं।
- अब प्लेट के पिछले हिस्से पर तेल लगाकर मिश्रण पतला सा मिश्रण फैलाएं।
- मिश्रण के ठंडा होने पर इसे दो इंच चौड़ी स्ट्रिप्स में काटकर रोल करें।
- अब अलग पैन में तेल गर्म करके हींग और राई भूनें।
- प्लेट में खांडवी रखकर ऊपर से हींग और राई का तड़का डालें।
- नारियल और धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईरान तटस्थ समुद्री क्षेत्र में स्थित गैस हिस्सेदारी को नहीं छोड़ेगा

तेहरान । ईरान ने साफ कर दिया है कि वह तटस्थ समुद्री क्षेत्र में स्थित गैस हिस्सेदारी को कभी नहीं छोड़ेगा। मिली जानकारी के अनुसार ईरान के तेल मंत्री जवाद ओवजी ने कहा कि ईरान अराश गैस क्षेत्र में अपना हिस्सा नहीं छोड़ेगा, जो ईरान, कुवैत और सऊदी अरब के बीच तटस्थ समुद्री क्षेत्र में स्थित है। ओवजी ने कहा कि ईरान को उम्मीद है कि संयुक्त क्षेत्र से संबंधित सभी मुद्दों को कुवैत के साथ बातचीत के माध्यम से हल किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कुवैत और सऊदी अरब में दुर्रा के नाम से जाना जाने वाला अपतटीय गैस क्षेत्र 1967 में खोजा गया था। तीन देशों के बीच स्वामित्व को लेकर विवाद के कारण इसके विकास में देरी हुई है। गौरतलब है कि मार्च 2022 में, सऊदी अरब और कुवैत ने संयुक्त रूप से क्षेत्र को विकसित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, लेकिन ईरान ने समझौते को अवैध बताया है और कहा है कि इसने पिछली वार्ता का उल्लंघन किया है। हालांकि जुलाई में कुवैत ने कहा कि वह ईरान के साथ आधिकारिक तौर पर सीमांकित होने की प्रतीक्षा किए बिना गैस क्षेत्र में ड्रिलिंग और गैस उत्पादन शुरू कर देगा।

वीजा आवेदन शुल्क जैसे अन्य शुल्कवृदधि से विदेशी विद्यार्थियों पर बढ़ेगा आर्थिक भार

लंदन। छात्र वीजा के लिए आवेदन फीस अगले महीने से 127 पाउंड (13 हजार से अधिक) बढ़ने वाली है। ब्रिटिश संसद में प्रस्तुत इस विधेयक से लंदन जाने वाले भारतीयों पर आ?र्थिक भार बढ़ने की आशंका है। दरअसल, भारत से बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई के लिए ब्रिटेन जाते हैं। अगले महीने से अब उनकी जेब पर बोझ बढ़ने वाला है। इतना ही नहीं शुल्क में भी बदलाव किया गया है। ब्रिटेन की गृह कार्यालय ने शुक्रवार संबं?धित शुल्क 15 से बढ़ाकर 115 पाउंड कर ?दिया है। वीजा के लिए आवेदन करने का संसदीय अनुमोदन के अधीन, शुल्क 127 पाउंड बढ़ाकर 490 इमिग्रेशन और राष्ट्रीयता शुल्क चार पाउंड कर दिया जाएगा, जो देश अक्टूबर से बढ़ जाएगा। आंकड़ों में आवेदन के लिए ली जाने वाली अनुसार 2021-2022 में 120,000 राशि के बराबर होगा। 6 महीने से से अधिक भारतीय छात्र ब्रिटेन कम अवधि के लिए विजिट वीजा के में पढ़ रहे हैं। 6 महीने से कम अवधि के लिए विजिट वीजा के शुल्क में भी बदलाव 4 अक्टूबर से बढ़ जाएगा। 1.20 लाख छात्रों में से भारतीय छात्र सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय छात्र समुदाय में से एक हैं। सरकार ने कहा कि आव्रजन और राष्ट्रीयता शुल्क में बदलाव महत्वपूर्ण सेवाओं का भुगतान और सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन वृद्धि के लिए अधिक धन को प्राथमिकता देने की अनुमति देने के लिए किए गए हैं।

जापानी कपड़ों पर चीन में लगी रोक

बीजिंग। चीन और जापान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। चीन ने जापान से आने वाले कपड़ों और अन्य सामानों पर रोक लगाने का फैसला किया है। जापान का सामान, चीन मे पाए जाने पर जुर्माना और कड़ी सजा का प्रावधान भी किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार लोगों की भावनाओं को चोट पहुंचाने, प्रतीक चिन्ह वाले कपड़े पहनने पर चीन सरकार ने सख्ती कर दी है। जापानी पोशाक पहनने पर एक युवति को अपमानित किया। इसी तरह शॉपिंग मॉल, सिनेमा घर जैसे स्थानों पर भी अब जापान के समान का विरोध शुरू हो गया है। चीन की सरकार जापानी खाना,जापानी कपड़े, जापानी कार्टून और जापानी भाषा पर रोक लगाने पर विचार कर रही है। चीन में जापानी संस्कृति को निशाने पर लिया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में चीन और जापान के रिश्ते मैं तलखी बढ़ती जा रही है।

इमरान के प्रमुख सहयोगी शेख राशिद खान गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी प्राधिकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के प्रमुख सहयोगी और आवामी मुस्लिम लीग के नेता शेख राशिद को भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। राशिद (72) तथा उनके दो सहयोगियों को रावलपिंडी के बहरिया शहर में उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया तथा उन्हें एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है। उनके भतीजे शेख राशिद शफीक ने एक वीडियो संदेश में यह जानकारी दी। शेख शफीक ने कहा कि मैं शीर्ष न्यायपालिका से एक वरिष्ठ नेता की गिरफ्तारी पर संज्ञान लेने का अनुरोध करता हूं क्योंकि वह किसी मामले में वांछित नहीं थे। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उनके बड़े भाई तथा एक घरेलू सहायक को भी गिरफ्तार किया है। राशिद के खिलाफ आरोपों की जानकारियां अब तक साझा नहीं की गई है। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर राशिद की गिरफ्तारी की निंदा की है।

अल-शबाब आतंकवादियों ने की 167 इथियोपियाई सैनिकों की हत्या

मोगादिशु। पश्चिमी सोमालिया में कट्टरपंथी इस्लामी समूह अल-शबाब के आतंकवादियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में कम से कम 167 इथियोपियाई सैनिक मारे गए। सूत्रों ने बताया कि जीवित इथियोपियाई सैनिकों को पकड़ लिया गया है और इथियोपियाई सैनिकों को आगे बढ़ने से रोक दिया गया है। आतंकवादियों ने इथियोपियाई सैन्य उपकरणों को भी नष्ट कर दिया और बड़ी मात्रा में हथियार जब्त कर लिए। सूत्र अनुसार इथियोपियाई सशस्त्र बलों और सोमालिया में अफ्रीकी संघ संक्रमण मिशन (एटीएमआईएस) ने अभी तक हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इथियोपियाई सेना ने वाजिद शहर में अपने फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस को मजबूत करने की कोशिश की, जो लगभग एक दशक से आतंकवादियों के नियंत्रण में है। अल-शबाब एक सोमालिया स्थित जिहादी आतंकवादी समूह है जो अल-कायदा आतंकवादी समूह (रूस में प्रतिबंधित) से जुड़ा हुआ है। यह सोमाली सरकार के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध कर रहा है और देश में संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मिशनों में बाधा डालता है।

कांगो में भूस्खलन से 17 लोगों की मौत

किन्शासा । उत्तर-पश्चिमी कांगो में मूसलाधार बारिश के बाद भूस्खलन होने के कारण रविवार देर रात कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने भूस्खलन की घटना में मरने वालों की संख्या में इजाफे की आशंका जताई हैं, क्योंकि बचाव दल ढह चुके घरों के मलबे में लोगों की तलाश कर रहे हैं। भूस्खलन कांगो नदी के किनारे उत्तर-पश्चिमी मोंगाला प्रांत के लिसल शहर में हुआ और पहाड़ की तलहटी में बने घरों में रहने वाले लोग इसकी चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि मूसलाधार बारिश और भूस्खलन से बहुत नुकसान हुआ है। भूस्खलन के कारण कई घर जमींदोज हो गए हैं। कई लोग अब भी मलबे के नीचे दबे हैं। ऐसे में मृतकों की वास्तविक संख्या का अनुमान लगा पाना मुश्किल है। गवर्नर सीजर लिंबाया मबांगिसा ने कहा कि भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र से मलबा हटाने और जीवित बचे लोगों को बचाने के लिए मशीनरी की सख्त जरूरत है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई और पूरे प्रांत में तीन दिन के शोक की घोषणा की।

केटीएफ प्रमुख निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा में जनमत संग्रह

ओटावा । प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख और सरे में गुरु नानक सिख गुरुद्वारा के अध्यक्ष हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए जिम्मेदार को लेकर 29 अक्टूबर को कनाडा में जनमत संग्रह की खबर है। सूत्रों के अनुसार, प्रतिबंधित चरमपंथी समूह, सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे), जिसने 10 सितंबर को सरे में अनौपचारिक मतदान का पहला चरण आयोजित किया था। उन्होंने ब्रिटिश कोलंबिया में मतदान में एक प्रश्न जोड़ा है। 29 अक्टूबर को होने वाले मतदान में पूछा जाएगा कि क्या उच्चायुक्त संजय वर्मा ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख और सरे में गुरु नानक सिख गुरुद्वारा के अध्यक्ष हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए जिम्मेदार थे। जनमत संग्रह के सवाल पर अभी तक ओटावा में भारतीय उच्चायोग और वैंकूवर में भारत के महावाणिज्य दूतावास से प्रतिक्रिया नहीं मिली है। 18 जून को निज्जर की मौत के बाद कनाडा में पोस्टर युद्ध छिड़ गया है, जिसमें भारतीय राजनयिकों और प्रतिष्ठानों को धमकी दी गई है और उनकी मौत के लिए उच्चायुक्त संजय वर्मा और वैंकूवर और टोरंटो में महावाणिज्य दूत को जिम्मेदार ठहराया गया है। निज्जर की मौत में विदेशी हस्तक्षेप के संबंध को खारिज करते हुए, कनाडा की एकीकृत मानव वध जांच टीम (आईएचआईटी) ने पिछले महीने कहा था कि वे दो भारी-भरकम बंदूकधारियों और एक भगदड़ कार, एक सिल्वर 2008 टोयोटा कैमरी के चालक की तलाश कर रहे हैं।

कार्यकर्ताओं ने एक प्रदर्शन के दौरान न्यूयॉर्क में जलवायु सप्ताह की शुरुआत की, जिसमें अमेरिकी सरकार से जलवायु परिवर्तन पर कार्रवाई करने और न्यूयॉर्क शहर, न्यूयॉर्क, अमेरिका में जीवाश्म ईंधन के उपयोग को अस्वीकार करने का आह्वान किया।

चीनी युद्धक विमानों के प्रवेश से ताइवान में गंभीर सुरक्षा संकट

ताइपे। ताइवान ने चीन पर युद्ध संकट खड़ा करने का आरोप लगाते हुए कहा है ?कि चीनी लड़ाकू विमानों ने ताइवान के एयरस्पेस में एंट्री ले ली है। अब तक 103 विमान ताइवान में आए हैं। बीते 24 घंटे में इनकी संख्या करीब 40 बताई गई है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने एक दिन में द्वीप के आसपास 103 चीनी युद्धक विमानों का पता लगाया है और इस संख्या को हालिया उच्च बताया है। इसमें कहा गया है कि 17 सितंबर से 18 सितंबर की सुबह के बीच, राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कुल 103 चीनी विमानों का पता लगाया था, जो हाल ही में सबसे अधिक था और इसने ताइवान जलडमरूमध्य और क्षेत्र में सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा की हैं। मंत्रालय ने कहा कि बीजिंग के लगातार सैन्य उत्पीड़न से आसानी से तनाव बढ़ सकता है और क्षेत्रीय सुरक्षा खराब हो सकती है। मंत्रालय ने चीन से ऐसी विनाशकारी एकतरफा कार्रवाइयों को तुरंत रोकने का आह्वान किया। बयान में कहा गया है कि पाए गए युद्धक विमानों की कुल संख्या में से 40 ने ताइवान जलडमरूमध्य की तथाकथित मध्य रेखा को पार किया, जो स्व-शासित द्वीप को चीन से अलग करती है, और इसके दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गई। इसमें नौ चीनी नौसैनिक जहाजों का भी पता लगाया गया है। बीजिंग का दावा है कि स्व-शासित ताइवान को उसका अपना क्षेत्र माना जाता है, यदि आवश्यक हुआ तो बलपूर्वक एक दिन उसे जब्त कर लिया जाएगा, और हाल के वर्षों में संबंधों में खटास आने के कारण उसने राजनयिक और सैन्य दबाव बढ़ा दिया है।

भारत की तरक्की को कोई नहीं रोक सकता, दुनिया के टॉप इन्वेस्टर ने पीएम मोदी को बताया डेन शियाओपिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉस एंजिल्स में यूसीएलए के परिसर में रॉयस हॉल में आयोजित ऑल-इन समिट 2023 में अपने संबोधन के दौरान अरबपति निवेशक रे डालियो ने विश्वास व्यक्त किया है कि भारत वैश्विक स्तर पर शीर्ष 20 देशों में विकास की सबसे अधिक क्षमता रखता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के दिग्गज नेता डेंग जियाओपिंग के बीच समानताएं दर्शाते हुए डेलियो ने मजबूत आर्थिक प्रगति में तब्दील होने के लिए भारत के महत्वपूर्ण सुधारों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे पास भारत और दुनिया के शीर्ष 20 देशों के लिए 10-वर्षीय विकास दर अनुमान हैं। भारत की संभावित विकास दर

सबसे अधिक है। मुझे लगता है कि भारत वहीं है जहां चीन था जब मैंने 1984 में जाना शुरू किया था।

दुनिया के सबसे बड़े हेज फंड ब्रिजवाटर एसोसिएट्स के संस्थापक डेलियो ने कहा कि यदि आप प्रति व्यक्ति आय के स्वरूप को देखें, तो मुझे लगता है कि मोदी डेंग जियाओपिंग हैं। राष्ट्रों के उत्थान और पतन और उभरते वैश्विक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आपके पास बड़े पैमाने पर सुधार, विकास, रचनात्मकता, ये सभी विकास हों सकता है। डेलियो ने कुछ जोखिम कारकों की उपस्थिति को स्वीकार किया, लेकिन भारत के प्रक्षेप पथ के बारे में आशावादी बने रहे। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि मुझे नहीं लगता कि इनमें से कोई भी मुद्दा भारत को रोकने वाला है।

इसके अलावा, डेलियो ने बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच चल रहे तनाव से भारत को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि इतिहास में जो देश तटस्थ देश थे, उन्होंने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। इसलिए जैसा कि हमारे पास अमेरिका और चीन और उसके सहयोगियों, रूस और इसी तरह के बीच संघर्ष है, जो देश बीच में हैं, जैसे कि भारत, इससे लाभान्वित होने जा रहे हैं।

रूस प्रवास पर किम को उपहार में मिले अत्याधुनिक शस्त्र कवच से चिन्तित पश्चिम देश

मॉस्को (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन एक हफ्ते के रूस दौरे के बाद स्वदेश लौट आए। इस दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ किम जोंग की बातचीत से यह संभावना बढ़ गई कि उत्तर कोरिया यूक्रेन पर हमले में सहायता के लिए रूस को हथियार प्रदान कर सकता है। अपनी स्पेशल ट्रेन से रूस दौरे पर गए किम जोंग को उत्तर कोरिया लौटते वक्त कुछ खास गिफ्ट मिले जिनमें बुलेटप्रूफ जैकेट और ड्रोन्स शामिल हैं। इन गिफ्ट ने पश्चिम देशों की चिंता को और बढ़ा दिया है। किम जोंग बहुत कम विदेश यात्रा पर जाते हुए देखे जाते हैं। रूस में उनका भव्य स्वागत किया गया। अपने दौरे के अधिकांश समय में किम जोंग ने मिलिट्री साइट्स का दौरा किया। उत्तर कोरिया पर भारी प्रतिबंध लगे हुए हैं, ऐसे में उसे एनर्जी से फूड और सैन्य प्रौद्योगिकी तक हर चीज की जरूरत है।

सूत्रों के मुताबिक, किम जोंग को पूर्वी रूसी क्षेत्र प्रिमोरी के गवर्नर ने बुलेटप्रूफ जैकेट और ड्रोन का एक सेट गिफ्ट किया। यह जैकेट छाती, कंधे, गले और कमर पर सुरक्षा प्रदान करता है जो अन्य सिक्योरिटी जैकेट की तुलना में बहुत हल्का है।

सूत्रों ने बताया कि किम को उसी क्षेत्र में बने 5 कामिकेज ड्रोन, साथ ही एक जेरेनियम-25 एयरक्राफ्ट टाइफ टोही ड्रोन भी गिफ्ट किया गया। इसके अलावा स्पेशल कपड़ों का एक सेट भी उन्हें गिफ्ट किया गया, जो थर्मल इमेजिंग कैमरों के लिए इनविजिबल है। किम जोंग के लिए आयोजित विदाई समारोह में रेड कॉर्पेट और ऑनर गार्ड शामिल थे। इसके बाद किम आर्टेम रेलवे स्टेशन से जब अपनी खास बख्तरबंद ट्रेन से उत्तर कोरिया के लिए रवाना हुए तब रूसी अधिकारियों ने हाथ हिलाकर विदाई दी। आर्टेम से उत्तर कोरिया बॉर्डर टाउन खासन 200 किलोमीटर दूर है.

किम और पुतिन ने बुधवार को मुलाकात की और वोस्तोचन कोस्मोड्रोम स्पेसपोर्ट में पांच घंटे तक लंबी बैठक की, जिसमें पुतिन ने कहा कि किम ने बहुत रुचि दिखाई और उत्तर कोरिया ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को प्राथमिकता दी है। वहीं, किम ने बातचीत के बाद पुतिन को अपना समर्थन देते हुए कहा, मैं हमेशा रूस के साथ खड़ा रहूंगा. पुतिन ने किम के साथ बैठक को बहुत ठोस बताया.

जयशंकर ने फिर चीन को बताई उसकी हद, कहा- पश्चिमी मुल्क बुरे नहीं हैं

नई दिल्ली। एक पुरानी कहावत है कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन को एक बार फिर से उसकी हद समझाई है। उन्होंने चीन पर तंज कसते हुए कुछ ऐसा बोला जिससे बीजिंग बौखला सकता है। जयशंकर ने कहा कि पश्चिमी मुल्क बुरे नहीं हैं। वे एशियाई या अफ्रीकी मुल्कों के बाजारों में अपना सामान बेतहाशा ढंग से नहीं पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें पश्चिमी मुल्कों को लेकर बने इस नकारात्मक रवैये वाले सिंड्रोम से उबरने की जरूरत है। दुनिया अधिक जटिल है, समस्याएं उससे कहीं अधिक जटिल है। पूर्व भारतीय राजनयिक टी पी श्रीनिवासन ने मंत्री का साक्षात्कार लिया। यह पूछे जाने पर कि क्या चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं हुए क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि भारत को ग्लोबल साउथ के नेता के रूप में देखा जाए, जयशंकर ने कहा कि ये अटकलें हैं।

मिस यूनिवर्स पाकिस्तान का खिताब जीतने वाली एरिका रॉबिन की हुई आलोचना

-न जीतने का जश्न मनाया, न ही सरकार ने दी प्रतिक्रिया, आयोजकों को लगाई लताड़

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अपने ही देश में मिस यूनिवर्स पाकिस्तान का खिताब जीतने वाली एरिका रॉबिन को आलोचना का शिकार होना पड़ रहा है। हालांकि कराची की रहने वाली एरिका रॉबिन ने मिस यूनिवर्स पाकिस्तान 2023 का खिताब जीत लिया है, वह यह खिताब हासिल करने वाली देश की पहली महिला बन गई हैं। लेकिन एरिका की जीत का घर में जश्न भी नहीं मनाया गया। इसके बजाय उसे लोगों की आलोचना या पूर्ण चुप्पी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार मिस यूनिवर्स पाकिस्तान कार्यक्रम में पाकिस्तान के पांच प्रतियोगी शामिल थे और इसे दुबई स्थित कंपनी युगेन ग्रुप द्वारा आयोजित किया गया था। हालांकि एरिका ने खिताब जीतने पर खुशी जताई और ऊपर वाले का आशीर्वाद बताया। उनकी उपलब्धि की पाकिस्तान में कई लोगों, विशेषकर धार्मिक समूहों और पार्टियों ने आलोचना की, जबकि सरकार ने एरिका की उपलब्धि पर अपना पल्ला झाड़ लिया। जमात-ए-इस्लामी के सीनेटर मुश्ताक अहमद खान ने कहा, युवा महिलाओं को मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के लिए तैयार करना और मिस पाकिस्तान प्रतियोगिता का आयोजन करना शर्मनाक है। यह पाकिस्तान का अपमान है। पाकिस्तान की महिलाओं का अपमान है।

सीनेटर मुश्ताक अहमद खान ने कहा कि इसका आयोजक कौन हैं? यह शर्मनाक कृत्य कौन कर रहा है? सरकार को उन्हें सामने लाना चाहिए। किसने उन्हें पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिकृत किया है? क्या यह पाकिस्तान सरकार का निर्णय है? कार्यवाहक प्रधान मंत्री को तुरंत अपनी सरकार की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और सौंदर्य प्रतियोगिताओं के नाम पर पाकिस्तानी महिलाओं का यह उपहास, अपमान बंद करें। यह पाकिस्तान के मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं के साथ जानबूझकर खेला जाने वाला खेल है।

प्रमुख धार्मिक नेता मोहम्मद तकी उस्मानी ने भी इस खबर पर सवाल उठाते हुए कहा कि खबर है कि पांच युवतियां अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करेंगी। अगर यह सच है, तो हम कितनी दूर तक जाएंगे? इस धारणा को मिट जाने दीजिए। एक महिला कार्यकर्ता एरिका रॉबिन के समर्थन में सामने आई हैं और जब भी कोई पाकिस्तानी महिला अपने लिए नाम कमाती है, तो असुरक्षित महसूस करने वाले लोग उसकी आलोचना करते हैं। कार्यकर्ता ज़ोहरा यूसुफ़ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर नाम कमाने वाली पाकिस्तानी महिलाओं पर हमला करना एक आदर्श बन गया है। महिलाओं की अंतरराष्ट्रीय सफलताओं को देश की नैतिकता पर एक धब्बा के रूप में क्यों देखा जाता है।

दुनियां भर के नेता मिलकर करेंगे विकास व जलवायु परिवर्तन पर चर्चा

-संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक में ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर होगा मंथन

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक सोमवार से शुरु होने जा रही है। इसमें दुनियां के विभिन्न देशों के राष्ट्र व राज्य प्रमुख शामिल हो रहे हैं। न्यूयॉर्क में आयोजित बैठक में विकास और जलवायु परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करते हुए मंथन किया जाएगा। ये दोनों ही मुद्दे ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) की प्राथमिक चिंताएं हैं, इनमें से कई देशों को चुनौतियों का सामना करने में गंभीर वित्तीय संकट का सामना करना पड़ता है, जबकि उनकी समस्याएं कोविड महामारी और रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के कारण और बढ़ गई हैं। यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस औद्योगिक देशों पर विकास और जलवायु परिवर्तन के लिए फंडिंग बढ़ाने के लिए दबाव डालेंगे। बैठक में संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर शिखर सम्मेलन के साथ अपने व्यस्त कार्यक्रमों के सप्ताह की शुरुआत करेंगे। इसमें 2030 तक शांति और न्याय लाते हुए गरीबी और भूख से लेकर जलवायु परिवर्तन और असमानता की समस्या का समाधान समेत 17 महत्वाकांक्षाएं हैं।

बैठक से पूर्व गुटेरेस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि एसडीजी शिखर सम्मेलन वास्तव में एसडीजी के कार्यान्वयन के संबंध में अब तक देखी गई नाटकीय विफलताओं की प्रतिक्रिया में एक लंबी छलांग का प्रतिनिधित्व करेगा। एसडीजी को 2015 में विश्व नेताओं द्वारा अपनाया गया था और जैसे ही वे 2030 के मध्य में सोमवार को मिलेंगे, वे पाएंगे कि अधिकांश समय सीमा तक पहुंच से बाहर हैं और उन्हें विशेष रूप से औद्योगिक देशों से पुन- सक्रिय प्रतिबद्धताओं की आवश्यकता होगी। प्रतीकात्मक रूप से, यह बैठक पारंपरिक महासभा की बैठक से एक दिन पहले शुरू होती है, जो परंपरा के अनुसार मंगलवार को शुरू होगी, जिसमें ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा का पहला संबोधन होगा, इसके बाद राष्ट्रपति जो बाइडेन वक्ता होंगे।

बाइडन इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के एकमात्र शीर्ष नेता होंगे। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के व्लादिमीर पुतिन और फ्रांस के इमैनुएल मैक्रॉन और ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक व भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी शिखर सम्मेलन में भाग नहीं ले रहे हैं। परिषद के स्थायी सदस्यों के नेताओं की अनुपस्थिति के बारे में पूछे जाने पर गुटेरेस ने कहा, जो मायने रखता है, वह उनकी उपस्थिति नहीं है, बल्कि उनकी सरकारों की प्रतिबद्धताएं हैं।

नए आतंकी संगठन ने पाकिस्तान में जमाई धाक, चीफ जस्टिस को दी धमकी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में नए मुख्य न्यायाधीश के साथ ही नया आतंकवादी संगठन भी पैदा हो गया है। यह संगठन तहरीक ए नमूस के नाम से सामने आया है। संगठन ने पाकिस्तान चीफ जस्टिस के घर के पास बम पिस्तौल और जजों के घर का नक्शा रखकर धमकी दी है और कहा कि गलत व्यवस्था चलाने वालों को सबक सिखाया जा रहा है। इस नए संगठन की पहली कार्रवाई के प्रत्येक निशाने पर न्यायाधीश और जनरल है। पाकिस्तान में मुख्य न्यायाधीश को पद ग्रहण करते ही जस्टिस काजी फैज ईशा को डराने की कोशिश की गई है। उनके आवास के पास से एक बैग में तीन बम पिस्तौल और गोलियां रखी मिली हैं। बैग में उस इलाके यानी वीआईपी क्षेत्र का एक नक्शा भी बरामद हुआ है, जिसमें न्यायाधीशों के घरों की लोकेशन के अलावा कहां वीआईपी लोगों के घर शामिल है, साथ बैग में एक पत्र भी मिला है। यह बैग उस दिन रखा गया जब जस्टिस फैज ईशा ने मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली है तो ऐसे में यह धमकी सीधे तौर पर उन्हें दी गई है।

गौरतलब है कि जस्टिस ईशा को अगले 13 महीने तक यानी 25 अक्टूबर 2024 तक पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर काम करना है और इस दौरान उन्हें कई अहम और कड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं जो अगर कानून के मुताबिक लिए गए तो संभवतः पाकिस्तान के मौजूदा प्रशासक पाकिस्तान की फौज और वहां के राजनेताओं को पसंद ना आए। ऐसे में माना जा रहा है कि यह धमकी सीधे तौर पर नए मुख्य न्यायाधीश को दिलाई गई है, जिससे वह जो भी फैसला लें सोच समझ कर लें। इस पत्र को कथित तौर पर एक नए आतंकवादी संगठन तहरीक ए नमूस द्वारा लिखा गया है। इस संगठन ने खुद को पाकिस्तानी अवाम की लोकप्रिय पार्टी बताते हुए कहा है कि पाकिस्तान के हालात दिन- प्रतिदिन बदलते जा रहे हैं हर रोज महंगाई बढ़ती जा रही है।

पेट्रोल चीनी समेत हर चीज की कीमत बढ़ रही है। पहले साल में महंगाई बढ़ती थी अब पाकिस्तान में हर दिन महंगाई बढ़ती जा रही है। अदालतें चिड़ियाघर बन गई हैं। कार्यवाहक सरकार आईएमएफ की गुलाम है। फौजी जनरल राजनीति कर रहे हैं। प्रतिभा पलायन लगातार हो रहा है। लाखों पाकिस्तानी निराशा में देश के बाहर हैं। इस स्थिति को देखते हुए इस संगठन ने पाकिस्तान में समस्याओं के समाधान के लिए व्यावहारिक कदम उठाने और सिस्टम को गलत तरीके से चलाने वाले लोगों और जनरलों को सबक सिखाने का फैसला किया है।

टीएसए एजेंटों के यात्रियों के बैग से नगदी चुराने का वीडियो वायरल

मास्को (एजेंसी)। फ्लोरिडा (ईएमएस)। अमेरिका के फ्लोरिडा के मियामी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से टीएसए एजेंटों के यात्रियों के बैग से नगदी चुराने का वीडियो सामने आया है। वायरल होने के बाद, वीडियो देख नेटिजंस में काफी गुस्सा है। क्लिप में टीएसए एजेंटों को स्कैनर के माध्यम से सामान पास करने से पहले कई बैगों को खोलने और मूल्यवान वस्तुओं और नकदी को जेब में डालते हुए देखा जा सकता है।

चोरी करने वाले तीनों टीएसए एजेंटों की पहचान 33 वर्षीय लाबेरियस विलियम्स, 20 वर्षीय जोसु गोंजालेज और 22 वर्षीय एलिजाबेथ फस्टर की गई है। तीनों को जुलाई में ही गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि, एलिजाबेथ फस्टर को उसी समय रिहा कर दिया गया था। वीडियो में, फ्लोरिडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्कैनर के पास दो टीएसए एजेंट खड़े थे और लोगों की सामानों की जांच कर रहे थे। दोनों सुरक्षाकर्मियों ने पहले ट्रे में रखे एक बैग से कुछ पैसे चुराकर जल्दी-जल्दी अपने पॉकेट में डालते हुए दिखे। उसके बाद दूसरा एजेंट बैग में रखे यात्री के पर्स वाले ट्रे को वे बार-बार आगे-पीछे करते हुए उसमें रखे पर्स को खोलता है, लेकिन सावधानी बरतता है किसी की नजर न पड़े। कुछ देर मेहनत करने के बाद उसने पर्स से भारी मात्रा में नगदी निकाल कर अपने पॉकेट में डाल लिया। एजेंटों को यात्रियों के समान चुराने और उस जेब में डालने से पहले बैगों को सावधानीपूर्वक खंगालते हुए देखा गया है।

वीडियो देखने के बाद यूजर्स ने अपना गुस्सा कमेंट बॉक्स में जाहिर किया है। यूजर ने लिखा है, हवाईअड्डे के सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा यात्रियों की सुरक्षा को खतरा है, अद्भुत!' एक अन्य यूजर लिखा है, 'यहीं कारण है कि सामान के अंदर नकदी छिपाकर रखता हूं, मैं हमेशा अपने पैसे को अलग-अलग जगहों पर बांट कर रखने की कोशिश करता हूं। सीबीएस ने बताया कि एयरपोर्ट सिक्योरिटी गार्ड्स द्वारा यात्री के पर्स से 600 डॉलर रुपए चुराने के आरोप लगे हैं। सिक्योरिटी गार्ड्स पर यात्रियों का सामान चुराने से पहले उनका ध्यान भटकाने का आरोप है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुसीबत के दौरान गुरुद्वारों की शरण में पहुंचे कनाडा गए पंजाबी स्टूडेंट्स

लुधियाना। भले ही अच्छे अवसर और बेहतर जीवन शैली के लिए पंजाबी छात्र विदेश जाना पसंद करते हैं। लेकिन कनाडा गए छात्रों के लिए मुश्किलों का दौर शुरु हो गया है। अब उन्हें वहां गुरुद्वारों की शरण लेनी पड़ रही है। एक सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में 1.63 लाख पंजाबी स्टूडेंट्स कनाडा गए थे। इसी वजह से वहां पर अब पंजाबी स्टूडेंट्स की संख्या बहुत अधिक हो चुकी है। इसी का फायदा अब वहां की कंपनियां उठाने लगी हैं। हालात ऐसे बन चुके हैं कि लेबर 5 गुना तक सस्ती हो चुकी है। जिस काम के बदले 2.50 डॉलर मिलते थे, अब उसी काम के बदले मात्र आधा डॉलर ही मिल रहा है। कुल मिलाकर एक कहावत है, 'दूर के ढोल सुहावने' और यही इस बात पर लागू हो रही है। कनाडा जाना आसान है, लेकिन वहां के नियम कानूनों का पालन कर जीवन यापन करना उतना ही कठिन है। जानकारों का कहना है कि इस समय हालात ये बन चुके हैं कि पंजाबी छात्रों को लेबर जॉब नहीं मिल पा रही है। जिन्हें हाथ में कुछ हुनर है, सिर्फ वे ही वहां पर थोड़ा-बहुत काम कर पा रहे हैं लेकिन हालात दिन-ब-दिन बदतर होते जा रहे हैं। पंजाबी छात्रों के पास महीने का राशन तक खरीदने के पैसे नहीं हैं। यहां तक उन्हें किराया तक देना मुश्किल हो चुका है। कई छात्र तो अब पूरी तरह से गुरुद्वारों पर ही निर्भर हो चुके हैं। वो गुरुद्वारों में लंगर खाकर गुजारा करने के लिए मजबूर हो चुके हैं। कनाडा में रहने वाले कई छात्र बताते हैं कि उन्हें अब कोई काम नहीं मिल पा रहा है। अब कुछ न कमा पा रहा है और न बचत कर पा रहे हैं। वे नहीं जानते कि मुझे ऐसे हालात कब सुधरेंगे और अब उनका भविष्य अनिश्चित हो चुका है। हजारों छात्रों को काम नहीं मिल पा रहा है। छात्रों ने आरोप लगाया कि कनाडा सरकार अब हमें नहीं पहचान रही, लेकिन हम उन्हें बताना चाहेंगे कि हम वे लोग हैं जिन्होंने आपकी 'श्रम की कमी' को हल करने में सहायता की थी। हालांकि इसी नीति का दुरुपयोग कर पंजाबी छात्रों से बहुत कम मानदेय पर कहीं अधिक कार्य करवाया जा रहा है। कनाडा सरकार उनका दुरुपयोग श्रम के सस्ते स्रोत यानी 'चीप लेबर' के रूप में कर रही है और जब उनका उपयोग हो जाता है, तब वह उन्हें देश छोड़ने के लिए बाध्य कर देती है। दरअसल बीते साल कनाडा में जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने लगभग 50 हजार विदेशी छात्रों को स्नातक होने के पश्चात नौकरी ढूंढने के लिए 18 महीने तक रहने की अनुमति दी थी।

हथियारबंद लोगों ने अपहरण कर किया सैनिक की हत्या

इंफाल। मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले के खुनिंगथेक गांव में रविवार को भारतीय सेना के एक जवान का शव मिला। जवान की पहचान कांगपोकपी जिले के लीमाखोंग में सेना की रक्षा सुरक्षा कोर (डीएससी) प्लाटून के सिपाही सेर्टो थांगथांग कोम के रूप में हुई है। वह इंफाल पश्चिम के तरुंग का निवासी था। सूत्रों ने बताया कि अज्ञात हथियारबंद लोगों ने शनिवार की सुबह करीब अवकाश पर आए सिपाही कोम का सुबह 10 बजे उनके घर से अपहरण कर लिया था। मामले के प्रत्यक्षदर्शी और कोम के 10 वर्षीय बेटे के अनुसार तीन लोग उसके घर में तब दाखिल हुए जब वह अपने पिता के साथ बरामदे में काम कर रहा था। अधिकारियों ने उनके बेटे के हवाले से बताया कि हथियारबंद लोगों ने सिपाही को बंदूक दिखाकर जबरदस्ती सफेद रंग के एक वाहन में बिठाया और मौके से फरार हो गए। रविवार सुबह तक सिपाही कोम की कोई खबर नहीं मिली। सुबह 9.30 बजे के आसपास उनका शव इंफाल पूर्व जिले के खुनिंगथेक गांव में मिला। अधिकारियों के अनुसार, जवान की पहचान की पुष्टि उनके भाई और एक रिश्तेदार ने की। उन लोगों ने बताया कि सैनिक के सिर पर गोली लगने का निशान था। सिपाही कोम के परिवार में पत्नी, बेटी और बेटा है। अंतिम संस्कार परिवार की इच्छा के अनुसार किया जाएगा। सेना ने शोकसंतप्त परिवार की सहायता के लिए एक टीम भेजी है।

भारी बारिश से रेल यात्रियों का बुरा हाल, बारिश से पश्चिम रेलवे लाइन पर 22 मेल-एक्सप्रेस प्रभावित

मुंबई। भारी बारिश के चलते पश्चिम रेलवे रूट पर कई एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। पश्चिम रेलवे के रतलाम सेक्शन में भारी बारिश के कारण मुंबई सेंट्रल से दिल्ली, गुजरात, राजस्थान तक चलने वाली ट्रेनों का शेड्यूल काफी प्रभावित हुआ है। मुंबई सेंट्रल से हजरत निजामुद्दीन अगस्त क्रांति, तेजस राजधानी एक्सप्रेस समेत कुल 19 ट्रेनें लेट हो गई हैं। इसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। बताया गया है कि गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक पर पानी जमा हो गया है और जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसका असर ट्रेन सेवा पर पड़ा है। मुंबई और दिल्ली के बीच ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं। अवंतिका एक्सप्रेस रद्द कर दी गई है। राजधानी समेत अवध पश्चिम गोल्डन टेंपल जम्मू तवी एक्सप्रेस ट्रेन का रूट बदल दिया गया है। ट्रेन सेवाएं बाधित होने से यात्री गोधरा रेलवे स्टेशन पर फंसे हुए हैं। मुंबई और दिल्ली के बीच ट्रैक पर पानी भर जाने के कारण राजधानी समेत यात्री ट्रेनों का रूट डायवर्ट कर दिया गया है। साथ ही कुछ लोकल मेमू ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। पश्चिम रेलवे सूत्रों के मुताबिक भारी बारिश के कारण रेलवे ट्रैक पर पानी बहने के कारण निर्धारित मार्गों पर ट्रेनों को भोपाल-इटारसी-खंडवा मार्ग से डायवर्ट करने का निर्णय लिया गया है। जबकि करीब दो दर्जन ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं और कुछ ट्रेनें देरी से चल रही हैं। इससे गणेशोत्सव के मौके पर यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। ट्रेन नंबर 12961 मुंबई सेंट्रल-इंदौर-मुंबई सेंट्रल अवंतिका एक्सप्रेस, इंदौर-दौंड-इंदौर एक्सप्रेस, नागदा-रतलाम स्पेशल रतलाम-उज्जैन स्पेशल, दाहोद-रतलाम-दाहोद स्पेशल, रतलाम-नागदा स्पेशल रद्द कर दी गई है। ट्रेन 12939 पुणे-जयपुर जेसीओ को भेस्तान-जलगांव-भुसावल-इटारसी-भोपाल-संत हिरदाराम नगर नागदा रूट पर डायवर्ट किया गया है।

डीजीपी शत्रुजीत कपूर की पहल पर हरियाणा बनेगा नशा मुक्त राज्य

सोनीपत। हरियाणा पुलिस के डीजीपी शत्रुजीत कपूर की पहल पर राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने सोनीपत जिले का दौरा करने के बाद पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ हुई बैठक में अपनी मंशा जाहिर की। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों के साथ-साथ पुलिस कर्मचारियों को जनता की सेवा के लिए हमेशा तैयार रहने की बात कही। डीजीपी ने सोनीपत में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हरियाणा पुलिस का मुख्य लक्ष्य हरियाणा को नशा मुक्त बनाना और महिलाओं की सुरक्षा और सुदृढ़ करना है। उधर, कांग्रेस विधायक मामन खान की गिरफ्तारी और मोनू मानेसर के लॉरेंस बिश्नोई के साथ वीडियो कॉल रिकॉर्डिंग वायरल पर डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने ज्यादा कुछ नहीं कहा और बोले कि निजी मामलों की जानकारी स्थानीय पुलिस मीडिया को देगी। उन्होंने मीडिया से कहा कि आज हमने सोनीपत पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों के साथ बैठक की है और इस बैठक में हमने कुछ निर्णय लिए हैं, जिसमें सबसे पहले जनता की समस्याओं का समय पर निवारण करना है और शिकायतों का निवारण सही तरीके से हो इसके लिए हमने एक सिस्टम बनाया है। हमारे शिकायतकर्ता पुलिस से कितने संतुष्ट हैं और कितने संतुष्ट नहीं हैं। इसका फीड बैक लिया जाएगा। इसके लिए उच्च अधिकारी शिकायतकर्ताओं से सीधे तौर पर बातचीत करेंगे, ताकि इसका स्तर बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा का एक मुद्दा हमारे सामने सबसे बड़ा है, जहां पर आवारागर्दी होती है, उन हॉटस्पॉट को चिन्हित किया जाए। खासकर पब्लिक ट्रांसपोर्ट में महिलाओं को सफर करते हुए किसी भी तरह की दिक्कतें ना आए। नशे पर रोकथाम के लिए हम लगातार काम कर रहे हैं। हरियाणा और इस जिले को हम नशा मुक्त बनाने के लिए काम करेंगे। हरियाणा को नशा मुक्त करने के लिए काम कर रहे हैं।

निपाह वायरस से राहत, केरल में कोई नया मामला नहीं मिला

तिरुवनन्तपुरम। केरल में फिलहाल 'निपाह वायरस का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। हालांकि एक नौ साल के बच्चे का इलाज चल रहा है, उसे अब वेंटिलेटर से हटा दिया गया है। फिलहाल वह ऑक्सीजन सपोर्ट पर है। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि बच्चे की सेहत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, उसकी स्थिति आशाजनक है। फिलहाल 1233 लोग अब संपर्क सूची में हैं। 23 लोगों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। आईएमसीएच में 4 लोग भर्ती हैं। वहीं 36 चमगादड़ों के नमूने इकट्ठा किए गए और परीक्षण के लिए भेजे गए। निपाह वायरस की स्थिति का जायजा लेने के लिए एहतियात के तौर पर 34,167 घरों में हाउस विजिट पूरा हो चुका है। सतर्कता और सावधानी बरतने के सवाल पर मंत्री जॉर्ज ने कहा कि वायरस का इन्क्यूबेशन पीरियड 21 दिनों का होता है।

जी-20 के सफल आयोजन से पीएम मोदी ने भारत को चमक दिया : जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज मैं केंद्रीय मंत्री हूं, पर 40 साल जो डिप्लोमेट की ट्रेनिंग है न, वे जाती नहीं... भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर की यह बात काफी कुछ कह जाती है। एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि मैं राजनीति में आ चुका हूं, पर आप जानते हैं कि मैं राजनेता नहीं हूं। लालू सहित कई विपक्षी नेताओं ने जी20 समिट को पैसे की बर्बादी कहा है। जयशंकर ने बताया कि इससे हमें क्या मिला। विदेश मंत्री ने कहा कि जी20 समिट में जो भी मेहमान आए थे, उन्होंने भारत की क्षमता देखी। दो दिन में अगर किसी एक बात की चर्चा सबसे ज्यादा हुई तब वह चंद्रयान की थी। जब लोग लौटे तब उनके दिमाग में यह बात रहेगी कि भारत की क्षमता क्या है। यह 60 शहरों में मनाया गया। टूरिज्म, आयात-निर्यात, रिसोर्सेज ही नहीं हर क्षेत्र पर इसका प्रभाव पड़ा है। जब कहा गया कि समिट पहले भी होते थे, प्रधानमंत्री पहले भी होते थे, तब विदेश मंत्री ने टोकते हुए कहा कि इसतरह नहीं होते थे। पूरे देश में समिट फैला दिया ताकि राजनीति में फायदा हो, मोदी जी की छवि चमके? इस सवाल पर जयशंकर ने कहा कि अगर कुछ चमक रहा है, तब भारत चमक रहा है।

इस दौरान पीएम मोदी के जी20 समिट का वीडियो दिखाया गया जिसमें वह बाइडेन सहित दुनिया के तमाम नेताओं से मुस्कुराते हुए मिलते हैं। पत्रकार ने पूछा कि क्या पीएम ने सभी को सेट कर लिया? इस सवाल पर जयशंकर ने मुस्कुराते हुए कहा, सच है। आगे कहा कि मोदी जी जिनसे भी मिलते हैं, वो कॉमन पॉइंट ढूंढ लेते हैं। मुझे उनके साथ दुनिया में घूमते हुए करीब 10 साल हो गए और मैंने देखा है कि जब यह पीएम बने तब लोगों ने कहा कि विदेश नीति के बारे में जानकारी है ही नहीं। अब वहीं पीएम की सक्सेस आप देखिए, इसकी वजह यह है कि वह खुले विचारों के नेता हैं जो लोगों के साथ जुड़ते हैं। इस दौरान सवाल किया गया पहले लोग समझते थे कि मोदी जी की ट्रंप से दोस्ती है, बाइडेन उन्हें हराकर आए वह भी पीएम के दोस्त बन गए? विदेश मंत्री ने कहा, ये मानना पड़ेगा न, ये मोदी जी हैं। उनके पहले ओबामा भी थे। एक किस्म से मोदी जी का कैरेक्टर है कि जिनके साथ भी वह कॉन्टैक्ट में आते हैं, अलग तरह की दोस्ती कर लेते हैं।

जयशंकर ने बताया कि बाइडेन से मोदी जी की पहली मुलाकात 2014 में हुई थी। मोदी जी का पहला दौरा था अमेरिका का और जो बाइडेन उपराष्ट्रपति थे। उस समय मैं अमेरिका में राजदूत था। बाइडेन भी काफी ओपन माइंडेड हैं। वह दिल की बात प्रकट करते हैं। उन्होंने मोदी जी के लिए लंच होस्ट किया था। बाद में जब वह 2020 में राष्ट्रपति चुने गए तब यह स्वाभाविक था कि पहले की जो मुलाकात थी उसका पॉजिटिव प्रभाव, यादों का कुछ असर हो। जैसे ही वह राष्ट्रपति बने, उस समय कोविड चल रहा था। क्वाड के जरिए पहली मीटिंग उनकी मोदी जी के साथ थी। जापान में बाइडेन के पीएम मोदी से ऑटोग्राफ मांगने की बात का जिक्र कर जयशंकर ने कहा कि 10 साल के बाद अगर आपकी पॉपुलैरिटी रेटिंग 70 प्रतिशत से ज्यादा हो, तब ये कमाल की बात है और ये दुनिया के नेताओं को पता है।

प्रलय मिसाइल बढ़ाएगी सेना की ताकत, रक्षा मंत्रालय ने दी खरीद की मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय सेना की ताकत बढ़ाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने 'प्रलय' बैलिस्टिक मिसाइलों की खरीदी को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय ने एक रेजिमेंट के अधिग्रहण के लिए यह मंजूरी दी है। इन्हें नियंत्रण रेखा पर तैनात किया जाएगा। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि सेना की सैन्य क्षमताओं में अधिक मारक क्षमता जोड़ने का निर्णय रक्षा अधिग्रहण परिषद की हालिया बैठक के दौरान लिया गया था। यह सेना के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। प्रलय सेना की सूची में सबसे लंबी दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल होगी। प्रलय ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के साथ मिलकर भारत की रॉकेट फोर्स का आधार बनेगा। चीन और पाकिस्तान दोनों ने पहले ही सामरिक उद्देश्यों के लिए बैलिस्टिक मिसाइलों को तैनात किया है। हालांकि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित सैन्य आवश्यकताओं के अनुसार रेंज में और वृद्धि के लिए तैयार हैं। यह खरीद इन मिसाइलों के अधिग्रहण के लिए भारतीय वायु सेना को दी गई इसी तरह की मंजूरी के बाद की गई है। प्रलय की खासियतों की बात करें तो 'प्रलय' बैलिस्टिक मिसाइलों की मारक क्षमता 150 से 500 किलोमीटर तक है। यह लगभग 350 किलोग्राम से 700 किलोग्राम तक के घातक हथियार ले जाने में सक्षम है। यह एक उच्च विस्फोटक पूर्वनिर्मित विखंडन वारहेड, पेनेट्रेशन-कम-ब्लास्ट (पीसीबी) और भगोड़ा इनकार प्रवेश सबम्यूनिशन (आरडीपीएस) भी ले जा सकता है। प्रलय' को अर्ध-बैलिस्टिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसमें इंटरसेप्टर मिसाइलों को विफल करने के लिए डिज़ाइन की गई उन्नत क्षमताएं हैं। यह एक निश्चित दूरी तय करने के बाद उड़ान के बीच में अपने प्रक्षेप पथ को बदलने की क्षमता प्रदर्शित करता है। मिसाइल एक ठोस प्रणोदक रॉकेट मोटर द्वारा संचालित होती है और इसकी मार्गदर्शन प्रणाली में अत्याधुनिक नेविगेशन और एकीकृत एवियोनिक्स सहित अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है। इसकी तुलना चीन की डोंग फेर 12 और रूसी इस्कंदर मिसाइल से की जा सकती है जिसका इस्तेमाल यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध में किया गया है।

सोनिया गांधी का सपना है, तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनाना

-कांग्रेस कार्य समिति की बैठक के बाद आयोजित बड़ी रैली को किया संबोधित

हैदराबाद (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा कि उनका सपना है कि, तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बने। वह यहां पार्टी की एक बड़ी रैली को संबोधित कर रहीं थीं। कांग्रेस की दो दिवसीय कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के बाद हैदराबाद के बाहरी इलाके में पार्टी द्वारा आयोजित एक बड़ी रैली में उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार देखना मेरा सपना रहा है जो हमारे समाज के सभी वर्गों के लिए काम करे। उन्होंने जन समुदाय से पूछा क्या आप सभी हमें अपना समर्थन देने जा रहे हैं, और हजारों लोगों ने जोरदार जयकारे के साथ हां में जवाब दिया। तेलंगाना राज्य के गठन में अहम भूमिका निभाने वाली सोनिया गांधी ने कहा कि उन्हें अपने सहयोगियों के साथ इस महान राज्य के जन्म का हिस्सा बनने का अवसर मिला। उन्होंने बैठक में अपने कहा कि अब इसे नई ऊंचाई पर ले जाना हमारा कर्तव्य है। कांग्रेस पार्टी तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए छह गारंटियों की घोषणा कर रही है और पार्टी उनमें से प्रत्येक को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सोनिया गांधी ने कहा कि मैं इस ऐतिहासिक दिन पर आपके साथ एक ऐसी घोषणा करते हुए खुशी से भर गई हूं, जो तेलंगाना की मेरी प्यारी बहनों को सशक्त बनाएगी। उन्होंने एक गारंटी महालक्ष्मी की घोषणा की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सोनिया गांधी ने तेलंगाना राज्य गठन का वादा किया था और उन्होंने इसे निभाया। उन्होंने कहा कि जिन्होंने कुछ नहीं किया, वे बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर ने राज्य को दिवालियापन के कगार पर धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि जिस राज्य का बजट सरप्लस था, उस पर अब 3.66 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केसीआर की पार्टी बीआरएस बीजेपी की बी टीम है और लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया। खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को अपने दोस्तों को बेच रहे हैं, जबकि केसीआर भी तेलंगाना में ऐसा ही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी और केसीआर दोनों ने झूठे वादों से लोगों को धोखा दिया है। वहीं हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखिवेंद्र सिंह सुक्खू ने कहा हालांकि अविभाजित आंध्र प्रदेश में कांग्रेस पार्टी सत्ता में थी और उसके मुख्यमंत्री राज्य के विभाजन के खिलाफ थे, लेकिन पार्टी ने तेलंगाना के लोगों की भावनाओं का सम्मान किया और नया राज्य बनाने के लिए ऐतिहासिक विधेयक लाया।

कांग्रेस नेता गहलोत ने कहा कि गांधी परिवार ने कभी भी सत्ता की चिंता नहीं की। 30 साल तक गांधी परिवार का कोई भी सत्ता में नहीं रहा, हालांकि सोनिया गांधी और राहुल गांधी प्रधानमंत्री बन सकते थे, लेकिन इनमें पद का लालच नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भारतभर के गांवों में लोगों के मन में गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी के प्रति बहुत सम्मान है, जो समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलता है। गहलोत ने कहा कि आज देश और देश का लोकतंत्र खतरे में है, संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

नई ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ शुरु हुए सत्र में सभी का सहयोग जरूरी: बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि नई ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ शुरु होने वाला 13वां सत्र महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस सत्र में हम गौरवशाली लोकतांत्रिक इतिहास से प्रेरणा प्राप्त कर नए संसद भवन में नई ऊर्जा व आत्मविश्वास से लोकतंत्र को और अधिक समृद्ध बनाने की नई यात्रा प्रारंभ करेंगे। बिरला ने सभी सांसदों से सदन की कार्यवाही को सुचारू ढंग से चलने देने की उम्मीद जताई है। उन्होंने यह भी कहा कि आशा है सदैव की भांति सांसदों का सहयोग उन्हें मिलेगा और वे सदन की कार्यवाही में सक्रियता से भाग लेकर जनहित के विषयों पर उच्च कोटि की चर्चा-संवाद से देशवासियों को नई दिशा दिखाएंगे। हालांकि कार्रवाई शुरु होते ही हंगामा होने लगा, जिस पर उन्होंने तकनीकी समस्या बताते हुए जांच का भरोसा भी दिलाया। विपक्षी सदस्यों ने माइक बंद करने का आरोप लगाया जिस पर लोक सभा अध्यक्ष ने जांच का भरोसा दिलाते हुए आगे की कार्रवाई जारी रखी।

इस दौरान लोकसभा स्पीकर बिरला ने कहा कि लोक सभा का आज से प्रारंभ हो रहा 13वां सत्र महत्वपूर्ण है। इस सत्र में हम गौरवशाली लोकतांत्रिक इतिहास से प्रेरणा प्राप्त कर नए संसद भवन में नई ऊर्जा व आत्मविश्वास से लोकतंत्र को और अधिक समृद्ध बनाने की नई यात्रा प्रारंभ करेंगे। 140 करोड़ देशवासियों की सहभागिता इसे और विशेष बनाएगी। बिरला ने सदन की कार्यवाही सुचारू ढंग से चलने की उम्मीद जताते हुए कहा, आशा है सदैव की भांति माननीय सदस्यों का सहयोग हमें मिलेगा। वे सदन की कार्यवाही में सक्रियता से भाग लेकर जनहित के विषयों पर उच्च कोटि की चर्चा-संवाद से देशवासियों को नई दिशा दिखाएंगे। आपको बता दें कि पहले दिन यानी आज संसद की बैठक पुराने संसद भवन में होगी। मंगलवार, 19 सितंबर, को पुराने संसद भवन में फोटो सेशन होगा, फिर सुबह 11 बजे सेंट्रल हॉल में एक समारोह होगा। उसके बाद नई संसद में प्रवेश किया जाएगा। 19 सितंबर को नए संसद भवन में संसद सत्र की बैठक होगी और 20 सितंबर से नियमित संसदीय काम-काज शुरू होगा। इस कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को पुराने संसद भवन में आखिरी बहस होने जा रही है।

प्रेम में फातिमा बनी अंजू स्वदेश लौटने को विवश

-पति अरविंद व 2 संतानो को छोड़कर पाकिस्तान गई अंजू को पासपोर्ट की प्रतीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। । नसरुल्लाह से शादी कर पाकिस्तान गई राजस्थान की अंजू अस्वस्थता के चलते अब भारत आना चाहती है। उसके नए पति नसरुल्लाह ने यह जानकारी दी है। इसके अलावा पूर्व पति के बच्चे भी भारत लौटने की वजह हो सकते हैं। अंजू ने जुलाई में नसरुल्लाह से शादी कर ली थी और इस्लाम अपनाते हुए फातिमा बन गई।

सूत्रों ने बताया कि फातिमा ने कहा कि वह मानसिक रूप से परेशान है और अपने बच्चों की बड़ी ही शिद्दत से कमी महसूस कर रही है, इसलिए लौटने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। नसरुल्लाह ने कहा कि वह नहीं चाहते कि अंजू की मानसिक सेहत और खराब हो। बेहतर है कि वह अपने देश जाकर बच्चों से मिले। उसने कहा कि दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद वह भारत लौट जाएगी। संभव है कि वह अगले महीने तक भारत लौटे। उन्होंने कहा कि वीजा मिलता है, तो वह भी भारत आएंगे।

उल्लेखनीय है कि नसरुल्लाह से पहले अंजू की शादी राजस्थान में रहने वाले अरविंद से हुई थी। दोनों के दो बच्चे भी हैं। इनमें एक बेटी की उम्र 15 वर्ष है और 6 वर्षीय बेटा है। खास बात है कि अब तक अंजू का अरविंद से तलाक नहीं हुआ है। अंजू से मिलती-जुलती कहानी पाकिस्तान से भारत पहुंचीं सीमा हैदर की है। हालांकि, अंजू ने पाकिस्तान की यात्रा सभी दस्तावेजों के साथ की है। जबकि, सीमा पर गैरकानूनी तरीके से सीमा पार कर भारत प्रवेश का आरोप हैं।

राकेश टिकैत ने योगी सरकार को दी बड़ी चेतावनी, क्या लोकसभा चुनावों से पहले फिर खड़ा होगा किसान आंदोलन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी लोकसभा चुनावों से पहले किसानों का आंदोलन खड़ा करने की तैयारी के तहत भारतीय किसान यूनियन ने विभिन्न मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सोमवार को एकदिवसीय महापंचायत का आयोजन किया। इसमें प्रदेश भर से किसान हिस्सा लेने पहुँचे। भारतीय किसान यूनियन का आरोप है कि सरकार ने एमएसपी गारंटी का अपना वादा पूरा नहीं किया है साथ ही गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं किया जा रहा है। यूनियन का यह भी आरोप है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने अपने घोषणापत्र में किसानों को जो मुफ्त बिजली का वादा किया था वह भी पूरा नहीं किया गया है। इन्हीं सब मुद्दों को लेकर किसान महापंचायत का आह्वान किया गया जिसमें भाग लेने के लिए एक दिन पहले से ही प्रदेश के विभिन्न कोनों से किसान ट्रेनों, बसों, निजी वाहनों और ट्रैक्टर ट्रालियों में लद कर चल पड़े थे। बताया जा रहा है कि भारतीय किसान यूनियन किसानों की मांगों को लेकर सरकार से आर-पार की लड़ाई लड़ने के मूड में है।

'महापंचायत' में भाग लेने के लिए आज बड़ी संख्या में किसान लखनऊ के इको गार्डन में एकत्र हुए तो भीड़ देखकर किसान नेता राकेश टिकैत गदगद हो गये। केंद्र सरकार को तीन कृषि कानूनों को वापस लेने पर मजबूर करने वाले प्रमुख किसान नेता राकेश टिकैत ने योगी सरकार को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि अभी हम सिर्फ अपनी बात रखने आए हैं। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने घोषणापत्र में कहा था कि हम सत्ता में आएंगे तो मुफ्त बिजली देंगे, फिर उन्होंने कहा कि एक साल के लिए मुफ्त बिजली देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। राकेश टिकैत ने कहा कि आज जैसे नेताओं को ईडी का डर दिखाकर लूटा जा रहा है वैसे ही किसानों को बिजली के नाम पर लूटा जा रहा है। महापंचायत के उद्देश्य को लेकर पूछे गये प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में भीड़तंत्र ही उसकी समस्या का समाधान है। उन्होंने कहा कि अभी यह हमारा एक दिन का कार्यक्रम है।

हम आपको बता दें कि महापंचायत में पश्चिमी उत्तर प्रदेश से ज्यादा लोग दिखे। यह वही इलाका है जहां 2019 के लोकसभा चुनावों के अलावा 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भी भाजपा को झटका लगा था। देखना होगा कि भारतीय किसान यूनियन की मांगों को लेकर योगी सरकार का क्या रुख रहता है। बहरहाल, हम आपको यह भी बता दें कि किसान महापंचायत को देखते हुए आज लखनऊ में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये गये हैं साथ ही कई जगह रूट को भी बदला गया है।

जम्मू-कश्मीर एलजी मनोज सिन्हा ने अनंतनाग में जवानों की शहादत का बदला लेने की कसम खाई

श्री नगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में अनंतनाग जिले के गडोले वन क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों का सफाया करने के लिए चलाया गया अभियान सोमवार को छठे दिन भी जारी है। इस बीच, उपाराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कसम ली है कि शहीदों के बहे खून की एक-एक बूंद का बदला लिया जायेगा। उपराज्यपाल ने अनंतनाग में मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस उपाधीक्षक हुमायूं भट्ट के घर जाकर आज उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके परिजनों को सांत्वना देते हुए विश्वास दिलाया कि उनके बेटे की शहादत बेकार नहीं जायेगी।

दूसरी ओर, सोमवार को भी आतंकवादियों के ठिकानों का पता लगाने के सुरक्षा बल ड्रोन का प्रयोग कर रहे हैं और लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, पिछले पांच दिनों से जारी इस आतंक विरोधी अभियान के दौरान नष्ट हुए आतंकी ठिकानों में से एक के समीप ड्रोन की फुटेज में एक व्यक्ति का जला हुआ शव पड़ा दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा इलाके की छानबीन करने के बाद ही अधिक जानकारी प्राप्त हो सकेगी। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल घने वन क्षेत्र में ड्रोन और हेलीकॉप्टर के जरिए तलाश कर रहे हैं। माना जा रहा है कि बुधवार को शुरुआती मुठभेड़ में सेना के दो अधिकारियों और एक पुलिस उपाधीक्षक के शहीद होने के बाद से आतंकवादी यहीं छिपे हैं। अधिकारियों ने बताया कि वन क्षेत्र में कई गुफानुमा ठिकाने हैं। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी आवासीय इलाकों में न घुस पाएं, यह सुनिश्चित करने के लिए एहतियात के तौर पर पड़ोसी पोश क्रेरी इलाके तक सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया है।

पुलिस महानिदेशक (जीपी) और सेना की 15 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) सहित कश्मीर में सुरक्षा बल के शीर्ष अधिकारी अभियान पर नजर बनाए हुए हैं। इस बीच, सेना की उत्तरी कमान के कमांडर ने हालात का जायजा लेने के लिए शनिवार को मुठभेड़ स्थल का दौरा किया। पुलिस का मानना है कि वन क्षेत्र में दो से तीन आतंकी छिपे हुए हैं।

इस बीच, केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मुठभेड़ में शहीद हुए सेना के तीन अधिकारियों की शहादत का बदला लेने की कसम खाई है। एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि शहीदों के खून की एक-एक बूंद का बदला लिया जाएगा और आतंकवादियों के आकाओं को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। सिन्हा ने कहा, %हमें हमारे सैनिकों पर पूरा भरोसा है....पूरा देश जवानों के साथ एकजुटता से खड़ा है।% उन्होंने दावा किया कि अनंतनाग में सुरक्षा बलों पर हमला, जी20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन और जम्मू-कश्मीर में संघर्षरत मुनाफाखोरों पर कार्रवाई से बौखलाए आतंकियों की हताशा का परिणाम है। सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और आम आदमी को दबाने वाले पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने का समय आ गया है।

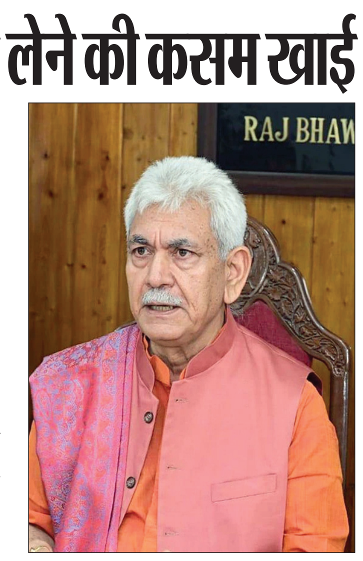

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

उधना में बंदूक की नोक पर लूट की कोशिश का मास्टरमाइंड मुंबई से गिरफ्तार

90 लाख लूटने की थी योजना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना इलाके में पटेल अंबालाल हरगोवंदास अंगदिया पाढ़ी में तमांच के पास तीन दिन पहले एक धूप वाले दिन एक चौंकाने वाली डकैती का प्रयास हुआ। इस घटना में एक आरोपी को लोगों ने दौड़ाकर पुलिस के हवाले कर दिया था, जिसके बाद उधना पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता को मुंबई से पकड़ लिया है. अंगड़िया पीढ़ी में दो बार गैंग की धाक हो चुकी है। 80 से 90 लाख की लूट की योजना बनायी गयी थी. हालांकि पता चला है कि आर्थिक पैसों की जरूरत के चलते उसने डकैती डालने का प्लान बनाया है.

सूरत में उधना नवसारी रोड पर सिलिकॉन सोपर्स में 13 सितंबर को दोपहर में डकैती का प्रयास विफल कर दिया गया। सिलिकॉन सोपर्स में पटेल अंबालाल हरगोवनदास अंगदिया फर्म में दो लोग घातक हथियारों और एक देशी पिस्तौल के साथ घुस गए। इनमें से एक व्यक्ति ने आंगड़िया फर्म के अधेड़ उम्र के मालिक पर हथियार से जानलेवा हमला कर लूटपाट की कोशिश की. लेकिन आंगड़िया फर्म के कर्मचारी ने इसका विरोध किया और जमकर हंगामा किया. जिससे लूटपाट करने आए लुटेरे भाग निकले। इसी बीच दोनों में से राजूसिंह उर्फ बब्लूसिंह ठाकुर को लोगों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया.

अंबालाल हरगोवंदासस की अंगदिया फर्म में डकैती के प्रयास की घटना में उधनानी पटेल को मुख्य आरोपी और टिपर के साथ गिरफ्तार किया गया था ।इसके बाद जांच कर रही पुलिस ने मुख्य मुखबिर समेत दो और आरोपियों को टिपर के साथ गिरफ्तार कर लिया है. गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उधना पुलिस ने ध्रुवनारायण उर्फ धीर्रूसिंह रमापतिसिंह राजपूत को गोडादरा से गिरफ्तार किया, जबकि डकैती के मुख्य साजिशकर्ता अमितसिंह उर्फ अनिल चंद्रदेवसिंह राजपूत को मुंबई के विरार से गिरफ्तार किया गया।

उधना पुलिस की जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी अमितसिंह राजपूत, राजूसिंह उर्फ बब्लूसिंह ठाकुर, जोगिंद्र गौड़ा, साहिल उर्फ गुड्डु अग्रवाल 11 सितंबर को दोपहर करीब 3 बजे उधना स्थित सिलिकॉन सोपर्स के अंदर घुसे थे। नवसारी रोड. फर्म की रैकी करने आया था। फिर अगले दिन भी पटेल अंबालाल हरगोवनदास अंगड़िया फर्म के दफ्तर पर छापा मारकर सभी आरोपी अपने घर लौट गए.

पुलिस के मुताबिक अमितसिंह समेत पांच लोगों ने आंगड़िया फर्म में दो बार 80 से 90 लाख लूटने के इरादे से धोखाधड़ी की थी। दोपहर के समय उन्हें पता चला कि पुराना कर्मचारी फर्म में अकेला बैठा है और उन्होंने दोपहर में ही लूट की योजना बना ली। उनका इरादा 80 से 90 लाख रुपये लूटने का था. वे लूटपाट कर ट्रेन से मुंबई भागने वाले थे। जबकि अमित और साहिल निगरानी में रहे, जबकि बब्लू और जोगी अंगदिया में लूटपाट करने गए।

रतलाम मण्डल में भारी बारिश के कारण अहमदाबाद मण्डल की कुछ ट्रेनें प्रभावित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद,लगातार भारी बारिश के कारण रतलाम मंडल के रतलाम गोधरा खंड में अमरगढ़-पंचपिपलिया स्टेशनों के मध्यल किलोमीटर 597/25-35 पर ट्रैक पैरामीटर में लगातार बदलाव के कारण अप ट्रैक को सस्पेंड किया गया है जिसके कारण अहमदाबाद मण्डल की कुछ ट्रेने प्रभावित हुई है:-

डायवर्टेड ट्रेने:-

1. 17 सितम्बिर, 2023 को वाराणसी से चलने वाली ट्रेन संख्या 19168 वाराणसी अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस वाया रतलाम-चितोड़गढ़-उदयपुर-असारवा के रास्ते चलेगी।
2. 17 सितम्बिर, 2023 को गोरखपुर से चलने वाली ट्रेन संख्या 19490 गोरखपुर अहमदाबाद एक्सप्रेस वाया रतलाम-चितोड़गढ़-उदयपुर-असारवा के रास्ते चलेगी।
3. 18 सितम्बिर, 2023 को अहमदाबाद से चलने वाली ट्रेन संख्या 12917 अहमदाबाद हजरत निजामुद्दीन गुजरात संपर्क क्रांति एक्सप्रेस वाया असारवा-चितौड़गढ़-रतलाम के रास्ते चलेगी।
4. 18 सितम्बयर, 2023 को अहमदाबाद से चलने वाली ट्रेन संख्या 04168 अहमदाबाद आगरा कैंट स्पेशल वाया असारवा-चितौड़गढ़-रतलाम के रास्ते चलेगी।
5. 18 सितम्बलर, 2023 को बांद्रा टर्मिनस से चलने वाली ट्रेन संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर स्पेशल वाया वडोदरा-अहमदाबाद-पालनपुर-अजमेर के रास्ते चलेगी।
6. 18 सितम्बलर, 2023 को वेरावल से चलने वाली ट्रेन संख्या 11465 सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस वाया असारवा-चितौड़गढ़-रतलाम के रास्ते चलेगी।
7. 18 सितम्बलर, 2023 को गांधीनगर से चलने वाली ट्रेन संख्या 19309 गांधीनगर-इंदौर शांति एक्सप्रेस वाया असारवा-चितौड़गढ़-रतलाम के रास्ते चलेगी।
8. 18 सितम्बलर, 2023 को मुंबई सेंट्रल से चलने वाली ट्रेन संख्या 12955 मुंबई सेंट्रल-जयपुर एक्सप्रेस वाया वडोदरा-अहमदाबाद-पालनपुर-अजमेर के रास्ते चलेगी।

रिशेड्यूल ट्रेनें :-

1. 18 सितंबर 2023को अहमदाबाद से चलने वाली ट्रेन संख्या 04168 अहमदाबाद आगरा कैंट स्पेशल ट्रेन लिंक ट्रेन (पेरिंग रैक) के देरी से चलने के कारण यह ट्रेन अपने निर्धारित समय 14:40 बजे के स्थान पर 09 घंटा 35 मिनट की देरी से रात्रि 00:15 बजे अहमदाबाद से प्रस्थान करेगी।
2. 18 सितंबर 2023 को अहमदाबाद से चलने वाली ट्रेन संख्या 12844 अहमदाबाद पुरी एक्सप्रेस ट्रेन लिंक ट्रेन (पेरिंग रैक) के देरी से चलने के कारण यह ट्रेन अपने निर्धारित समय 19:00 बजे के स्थान पर 4 घंटे 25 मिनट की देरी से 23:25 बजे अहमदाबाद से प्रस्थान करेगी।
3. 19 सितंबर 2023 को अहमदाबाद से चलने वाली ट्रेन संख्या 12833 अहमदाबाद हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन लिंक ट्रेन (पेरिंग रैक) के देरी से चलने के कारण अपने निर्धारित समय 00:25 बजे के स्थान पर एक घंटा 45 मिनट की देरी से 01:40 बजे अहमदाबाद से प्रस्थान करेगी।

अंबाजी के भक्तों के लिए बड़ी खबर, मंदिर प्रबंधन ने भादौ पूर्णिमा पर दर्शन का समय बढ़ाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बनासकांठा,अंबाजी में आगामी 23 सितंबर से शुरू हो रहे भादौ पूर्णिमा के मेला से पहले माई भक्तों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। 23 से 29 सितंबर के दौरान अंबाजी आनेवाले श्रद्धालुओं के लिए दर्शन का समय बढ़ाने का मंदिर प्रबंधन ने फैसला किया है। उत्तर गुजरात स्थित विख्यात शक्ति पीठ अंबाजी मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं के आस्था का केन्द्र है। भादौ पूर्णिमा पर अंबाजी में मेला लगता है, जिसमें देश-विदेश से लाखों की संख्या श्रद्धालु मां अंबा के दर्शन करने आते हैं। ज्यादातर कई किलोमीटर लंबी पैदल यात्रा कर अंबाजी पहुंचते हैं। आगामी भादौ पूर्णिमा के मेला को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस संदर्भ में बीते दिन हुई बैठक के बाद ए ला।न किया गया है कि 23 सितंबर से 29 सितंबर के दौरान अंबाजी में भादौ पूर्णिमा के मेला का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान आनेवाले लाखों श्रद्धालु मां अंबा के सरलता से दर्शन कर सकें, इसके लिए दर्शन का समय बढ़ा दिया गया है। 23 सितंबर से 29 सितंबर के दौरान मां अंबा के मंदिर में दर्शन और आरती के समय में फेरबदल करने के साथ ही दर्शन के समय में वृद्धि का फैसला किया गया है। मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक सुबह 7 बजे होनेवाली आरती अब आगामी 23 सितंबर से 29 सितंबर तक सुबह 6.00 बजे से 6.30 बजे तक होगी। श्रद्धालु सुबह के दर्शन 6.30 बजे से सुबह 11.30 तक कर सकेंगे। जिसके पश्चात दोपहर 12.30 बजे से शाम 5.00 बजे तक मंदिर के पट दर्शन के लिए खुले रहेंगे। शाम की आरती 7.00 बजे से 7.30 बजे होगी और 7.30 बजे से रात्रि 12.00 तक मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खुले रहेंगे।

गुजरातभर में बारिश से नर्मदा समेत राज्य के 207 बांध छलके,अगले साल पानी की चिंता हुई खत्म

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद, पूरा अगस्त महीना सूखा बीत जाने के बाद सितंबर मध्य में गुजरातभर में धुआंधार बारिश से राज्य के ज्यादातर बांध छलक गए हैं। गुजरात की जीवनदायिनी सरदार सरोवर नर्मदा बांध में 100 फीसदी पानी का संग्रह हो चुका है। राज्य के मुख्य 207 जल परियोजनाओं में 93.30 प्रतिशत जलराशि का संग्रह हुआ है। राज्य के 90 जलाशयों में 90 प्रतिशत से अधिक पानी की आय होने से इन पर हाई अलर्ट जारी किया गया है। गांधीनगर स्थित स्टेट फ्लड कंट्रोल सेल की रिपोर्ट के मुताबिक 18 सितंबर 2023 को राज्य के महत्वपूर्ण 207 जल परियोजनाओं में 93.30 प्रतिशत जलराशि का संग्रह हुआ है। सरदार सरोवर नर्मदा बांध में 334080 एमसीएफटी जलराशि का संग्रह हुआ है। जो कुल जलसंग्रह क्षमता का 100 प्रतिशत है। वहीं राज्य के अन्य 206 जल परियोजनाओं में 498312 एमसीएफटी जलसंग्रह हुआ है, जो कुल जल संग्रह क्षमता का 89.29 प्रतिशत है। राज्यभर में हो रही बारिश की वजह से 27 जलाशय ऐसे हैं जिनमें 100 प्रतिशत जलराशि का संग्रह हुआ है। 63 जलाशयों में 90 से 100 प्रतिशत जलराशि का संग्रह होने से राज्य के कुल 90 बांध पर हाईअलर्ट पर हैं। जबकि 80 से 90 प्रतिशत जलसंग्रह वाले 28 जलाशय अलर्ट पर और 70 से 80 फीसदी पानी से भरे 20 जलाशयों पर सामान्य चेतावनी जारी की गई है। राज्य के 111 जलाशयों में 70 से 100 प्रतिशत, 30 जलाशयों में 50 से 70 प्रतिशत, 23 जलाशयों में 25 से 50 प्रतिशत और 14 जलाशयों में 25 प्रतिशत से कम जलराशि है। राज्य के कुल जलाशयों में उत्तर गुजरात के 15 बांधों में 75.67 प्रतिशत, मध्य गुजरात के 17 जलाशयों में 92.11 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात के 13 जलाशयों में 95.89 प्रतिशत, सौराष्ट्र के 141 जलाशयों में 783.77 प्रतिशत और कच्छ के 20 जलाशयों में 59.53 प्रतिशत जलराशि का संग्रह हुआ है।

भारी बारिश के कारण रेल यातायात प्रभावित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद,पश्चिम रेलवे बड़ोदरा मंडल के भरूच-अंकलेश्वर सेक्शन में ब्रिज संख्या 502 पर जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर होने के कारण रेल यातायात प्रभावित हुआ है। जिसके कारण अहमदाबाद मंडल की कई ट्रेनें प्रभावित हुई है। जो इस प्रकार है:

१८ सितंबर २०२३ को पूर्ण निरस्त ट्रेनें

1. ट्रेन संख्या 22953 मुंबई सेंट्रल अहमदाबाद गुजरात एक्सप्रेस
2. ट्रेन संख्या 20901 मुंबई सेंट्रल गांधीनगर वंदेभारत एक्सप्रेस
3. ट्रेन संख्या 20902 गांधीनगर मुंबई सेंट्रल वंदेभारत एक्सप्रेस
4. ट्रेन संख्या 12009 मुंबई सेंट्रल अहमदाबाद शताब्दी एक्सप्रेस
5. ट्रेन संख्या 12010 अहमदाबाद मुंबई सेंट्रल शताब्दी एक्सप्रेस
6. ट्रेन संख्या 19015 दादर पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस
7. ट्रेन संख्या 12934 अहमदाबाद मुंबई सेंट्रल कर्णावती एक्सप्रेस
8. ट्रेन संख्या 12932 अहमदाबाद मुंबई सेंट्रल डबल डेकर एक्सप्रेस
9. ट्रेन संख्या 82902 अहमदाबाद मुंबई सेंट्रल तेजस एक्सप्रेस
10. ट्रेन संख्या 22954 अहमदाबाद मुंबई सेंट्रल गुजरात एक्सप्रेस
11. ट्रेन संख्या 12933 मुंबई सेंट्रल अहमदाबाद कर्णावती एक्सप्रेस
12. ट्रेन संख्या 82901 मुंबई सेंट्रल अहमदाबाद तेजस एक्सप्रेस
13. ट्रेन संख्या 12931 मुंबई सेंट्रल अहमदाबाद डबल डेकर एक्सप्रेस
14. ट्रेन संख्या 22963 बांद्रा टर्मिनस भावनगर एक्सप्रेस
15. ट्रेन संख्या 19217 बांद्रा टर्मिनस-वेरावल सौराष्ट्र जनता एक्सप्रेस
16. ट्रेन संख्या 20960 वडनगर-वलसाड एक्सप्रेस
17. ट्रेन संख्या 19036 अहमदाबाद-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस
18. ट्रेन संख्या 19035 वडोदरा-अहमदाबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस
19. ट्रेन संख्या 20955 सूरत महुआ एक्सप्रेस
20. ट्रेन संख्या १९०३४ अहमदाबाद बलसाड गुजरात क्वीन एक्सप्रेस

शॉर्ट टर्मिनेट ट्रेनें

1. 17 सितंबर 2023 को भावनगर से चलने वाली ट्रेन संख्या 22964 भावनगर बांद्रा टर्मिनस अहमदाबाद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।
2. 17 सितंबर 2023 को हापा से चलने वाली ट्रेन संख्या 12268 हापा मुंबई सेंट्रल दुरंतो एक्स्प्रेस अहमदाबाद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।
3. 17 सितंबर 2023 को महुवा से चलने वाली ट्रेन संख्या 20956 महुवा सूरत एक्स्प्रेस ट्रेन विरमगाम स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।
4. 17 सितंबर 2023 को भुज से चलने वाली ट्रेन संख्या 22956 भुज बांद्रा टर्मिनस कच्छ एक्स्प्रेस अहमदाबाद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।
5. 17 सितंबर 2023 को भुज से चलने वाली ट्रेन संख्या 20908 भुज दादर सयाजीनगरी एक्स्प्रेस ध्रांगध्रा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।
6. 17 सितंबर 2023को अजमेर से चलने वाली ट्रेन संख्या 12990 अजमेर दादर एक्स्प्रेस अहमदाबाद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।
7. 17 सितंबर 2023 को बीकानेर से चलने वाली ट्रेन संख्या 14707 बीकानेर दादर रणकपुर एक्स्प्रेस वडोदरा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।
8. 17 सितंबर 2023 को पोरबंदर से चलने वाली ट्रेन संख्या 19016 पोरबंदर दादर सौराष्ट्र एक्सप्रेस विरमगाम स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।
9. 17 सितंबर 2023 को जामनगर से चलने वाली ट्रेन संख्या 22960 जामनगर वडोदरा इन्टरसिटी एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग से चलेगी।
10. 17 सितंबर 2023 को बांद्रा टर्मिनस से चलने वाली ट्रेन संख्या 12971 बांद्रा टर्मिनस भावनगर एक्सप्रेस अहमदाबाद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

शॉर्ट ऑरिजिनेट ट्रेनें

1. 18 सितंबर 2023 की ट्रेन संख्या 12480 बांद्रा टर्मिनस जोधपुर एक्सप्रेस बांद्रा टर्मिनस के स्थान पर वडोदरा से शॉर्ट ऑरिजिनेट होगी।
2. 18 सितंबर 2023 की ट्रेन संख्या 12989 दादर अजमेर एक्सप्रेस दादर के स्थान पर अहमदाबाद से शॉर्ट ऑरिजिनेट होगी।
3. 18 सितंबर 2023 की ट्रेन संख्या 14708 दादर बीकानेर एक्सप्रेस दादर के स्थान पर वडोदरा से शॉर्ट ऑरिजिनेट होगी।
4. 18 सितंबर 2023 को बांद्रा टर्मिनस से चलने वाली ट्रेन संख्या 22451 बांद्रा टर्मिनस चंडीगढ़ एक्सप्रेस बांद्रा टर्मिनस के स्थान पर वडोदरा से शॉर्ट ऑरिजिनेट होगी।

निर्धारित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें

1. 17 सितंबर 2023 को जोधपुर से चलने वाली ट्रेन संख्या 12479 जोधपुर बांद्रा टर्मिनस सूर्यनगरी एक्सप्रेस शॉर्ट टर्मिनेट न होकर बांद्रा टर्मिनस तक चलेगी।
2. 17 सितंबर 2023 को चंडीगढ़ से चलने वाली ट्रेन संख्या 22452 चंडीगढ़ बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस शॉर्ट टर्मिनेट न होकर बांद्रा टर्मिनस तक चलेगी।
3. 17 सितंबर 2023को बीकानेर से चलने वाली ट्रेन संख्या 14707 बीकानेर-दादर एक्सप्रेस शॉर्ट टर्मिनेट न होकर दादर तक चलेगी।
4. 17 सितंबर 2023 को मुंबई सेंट्रल-हापा एक्सप्रेस शॉर्ट टर्मिनेट न होकर हापा तक चलेगी।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे